CFM NEWS 24 x 7 COALFIELD MIRROR हर पल आपके साथ

कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | रविवार 28 अप्रैल 2024 | वर्ष-07 | अंक-1012 | पृष्ठ-06 | RNI (TA) No. 2022027633

चॉपर में चढ़ते समय पैर फिसला, ममता बनर्जी हुई चोटिल

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (दुर्गापुर): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चोट लग गई है. मुख्यमंत्री का चॉपर में चढ़ते समय पैर फिसला जिससे वो चोटिल हो गईं. दरअसल, सीएम लोकसभा चुनाव के दौरान दुर्गापुर में अपनी पहली राजनीतिक रैली को संबोधित करने के बाद आसनसोल जा रही थीं तब यह हादसा हुआ.

ममता बनर्जी एक हादसे का शिकार हो गईं. उनके पैर में चोट लग गई है. बर्धमान के दुर्गापुर में चॉपर में चढ़ते समय यह हादसा हो गया. हेलीकॉप्टर में चढ़ने के बाद सीट लेते समय फिसल कर वह नीचे गिर गईं, जिसके बाद उनके सुरक्षाकर्मियों ने उनकी मदद की. इस घटना में सीएम ममता बनर्जी को मामूली चोट लगने की खबर सामने आई है.

हालांकि उन्होंने अपनी आसनसोल जाने की यात्रा जारी रखी.

इससे पहले 14 अप्रैल को तृणमूल कांग्रेस ने जानकारी दी थी कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सिर में गहरी चोट लगी थी. जिसके बाद उन्हें कोलकाता के सरकारी एसएसकेएम अस्पताल ले जाया गया था. अस्पताल के एक अधिकारी के अनुसार, 69 साल की राजनेता दक्षिण कोलकाता के बालीगंज में एक कार्यक्रम से लौटने के तुरंत बाद घर में फिसल गईं थी और उनका सिर अपने घर के फर्नीचर से टकरा गया था. जिसके बाद अब सीएम फिर एक हादसे का शिकार हो गई.

इन दिनों सीएम ममता बनर्जी लोकसभा चुनाव के लिए रैलियां कर रही हैं. इसी दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शुक्रवार, 27 अप्रैल, को घाटल उम्मीदवार देव के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रही थीं. जिस दौरान उन्होंने बीजेपी पर हमला करते हुए बीजेपी को "नौकरी खाने वाली" पार्टी करार दिया और कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग लगभग शिक्षकों की 26,000 लोगों की आजीविका "छीनने की साजिश" करने के लिए इसके नेताओं को माफ नहीं करेंगे.

पश्चिम बंगाल में अब तक छह सीटों पर मतदान हो चुका है. मालदा उत्तर और मालदा दक्षिण की दो सीटों पर तीसरे चरण में 7 मई को मतदान होगा. घाटल लोकसभा क्षेत्र में छठे चरण के दौरान 25 मई को मतदान होगा. 2014 में टीएमसी ने 42 में से 34 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि बीजेपी सिर्फ 2 सीटें ही जीत सकी थी. लेकिन 2019 में बीजेपी का दमदार प्रदर्शन रहा था और पार्टी ने अपनी सीटें बढ़ाकर 18 कर ली, जबकि टीएमसी की संख्या घटकर 22 रह गई.

इंदास ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस की अनोखी चुनावी प्रचार अभियान

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (बाँकुड़ा): इंदास ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस ने बांकुड़ा जिले के सभी ब्लॉकों में अनोखे तरीके से चुनाव प्रचार अभियान चलाया. मां लक्ष्मी का रूप धारण कर महिलाएं हाथ में लक्ष्मी भण्डार का स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर चल रही थी.

वे लक्ष्मी रूप धारण कर घर घर जाकर गृहणियों को राज्य सरकार की लक्ष्मी भंडार योजना के फायदे बताये। इस तरह, इंदास ब्लॉक तृणमूल नियमित रूप से चुनाव अभियान में नवीनता ला रही है।

इस तरह इंदास ब्लॉक तृणमूल लगातार चुनाव प्रचार में नयापन ला रही है. इंदास के प्रत्येक क्षेत्र में प्रतिदिन नवीन तरीके से प्रचार मार्च निकाला जा रहा है। आज बांकुड़ा के करिशुंडा इलाके में भव्य जुलूस निकला. कुछ महिलाए लक्ष्मी भंडार योजना को दर्शाते हुए माता लक्ष्मी के रूप में कपड़े पहने थे, कुछ ने किसानों के रूप में कपड़े पहने थे,

जिन्हें कृषक बंधु परियोजना से मदद मिली है, कुछ ने स्वास्थ्य साथी कार्ड लिया और कुछ ने 25,000 रुपये का चेक लिया और जुलूस में शामिल हुए। इस जुलूस में महिलाओं की भीड़ देखने लायक थी. इस नवीनतम जुलुस को देखने के लिए प्रतिदिन बच्चो से लेकर बूढ़ों तक का तांता लगा रहता है।

भाजपा को बेनकाब करो, भाजपा को खत्म करो- किसान संगठन

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (कोलकाता/ दिल्ली): देशभर में 18वीं लोकसभा चुनाव शुरू हो चुका है। पहले दो दौर की वोटिंग हो चुकी है. इस बीच, किसान संगठन भीषण गर्मी के बावजूद राज्य में अपना बीजेपी विरोधी अभियान जारी रखे हुए हैं. पर्चे या हैंडबिल बांटे जा रहे हैं. वे अपील कर रहे हैं, 'इंडिया' के उम्मीदवारो को जिताए, मोदी को वोट ना दे।

अखिल भारतीय किसान नेताओं का क्षेत्र के लोगों से आह्वान है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को हटा दें और एक वैकल्पिक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष शासन स्थापित करें। अन्यथा किसान- मजदूर यहां तक कि आम लोगों का जीवन भी औपचारिक हो जायेगा.

लगातार चल रहे अभियान में बार-बार मोदी सरकार की अपने वादों को पूरा करने में विफलता को उजागर किया जा रहा है।

खासकर फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानून के दायरे में लाने का मुद्दा। केंद्र ने इस संबंध में लिखित वादा पूरा नहीं किया है. लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ. ऐसे में देशभर में जिस तरह से किसान आंदोलन फिर से सिर उठा रहा है, उससे गेरुआ खेमा काफी असहज है.

हालाँकि, संयुक्त किसान मोर्चा ने घोषणा की है कि वह किसी विशेष राजनीतिक दल की वकालत नहीं करेगा। सिर्फ बीजेपी ही हार की मांग करेगी. इसलिए कहा जाता है, 'भाजपा को बेनकाब करो, भाजपा को खत्म करो।' हालांकि, उन्होंने विभिन्न अखिल भारतीय किसान संगठन को राजनीतिक 'मंच' का उपयोग करने की छूट दी है। तदनुसार, प्रदर्शनकारी सारा भारत किसान सभा जैसे संगठनों ने सीधे इंडिया के उम्मीदवारों के साथ खड़े होने का फैसला किया है।

भाजपा नेता के भाई के घर अचानक बम विस्फोट

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (कोलकाता): उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में सीबीआई की छापेमारी में भारी मात्रा में हथियारों व बमों की बरामदगी के बीच जिले के हासनाबाद इलाके में शनिवार को एक भाजपा नेता के भाई के घर अचानक बम विस्फोट होने से सियासत गरमा गई। विस्फोट में एक महिला जख्मी हो गईं।

यह घटना बशीरहाट अनुमंडल के हासनाबाद थाना अंतर्गत शिमुलिया कालीबाड़ी गांव की है, जहां भाजपा नेता निमाई दास के भाई दिलीप दास के घर सुबह करीब 11 बजे विस्फोट हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिलीप की पत्नी खाना बना रही थी, तभी रसोई घर में धमाका हुआ। विस्फोट के प्रभाव से

महिला छिटककर कुछ दूर जा गिरी, जिसमें उन्हें चोटें आई है।

विस्फोट की खबर मिलते ही हासनाबाद थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने घर को सील कर दिया है। वहीं, घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में जुटे भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक पुलिस को घेरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। घर के मालिक दिलीप दास सहित स्थानीय भाजपा नेताओं का आरोप है कि संदेशखाली घटना से ध्यान भटकाने के लिए लोकसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस ने साजिश के तहत घर में यह विस्फोट कराया है।

हालांकि तृणमूल ने आरोपों को खारिज किया है। पुलिस व तृणमूल के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शन से वहां स्थिति तनावपूर्ण है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए शाम में रैपिड एक्शन फोर्स (रैफ) को भी उतारा गया। वहीं, पुलिस भाजपा नेता के भाई को हिरासत में लेकर विस्फोट के संबंध में पूछताछ कर रही है।

उल्लेखनीय है कि सीबीआई ने ईडी की टीम पर हुए हमले मामले में शुक्रवार को उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में तृणमूल के निलंबित नेता शाहजहां शेख के करीबी के घर पर छापामारी के दौरान कई विदेशी हथियार, 348 राउंड गोलियां और भारी मात्रा में बम बरामद किए। सीबीआई ने एनएसजी के कमांडो व सीआरपीएफ जवानों को लेकर तलाशी अभियान चलाया। हथियारों की बरामदगी के बाद से विपक्षी भाजपा तृणमूल पर हमलावर है।

सामाजिक संस्था "शालबिथि" के जल वितरण कार्यक्रम में उमड़े पथिक

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (खड़गपुर/ मेदिनीपुर): ग्लोबल वार्मिंग के कारण पड़ रही भीषण गर्मी में धरती माता तप रही हैं। पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत मेदिनीपुर शहर भी इसका अपवाद नहीं है। पिछले सप्ताह तापमान 40°-45° सेल्सियस के करीब तक रहा है। गर्मी से हर कोई हांफ रहा है। हालाँकि, हर दिन गाँव- शहर से कई लोगों को अनिवार्य आवश्यकताओं के चलते शहर आना पड़ता है। फिर शहरवासियों को विभिन्न कार्यों के लिए बाहर भी जाना पड़ता है। जल वितरण के इसी दर्शन को सामने रखते हुए

सामाजिक संस्था शालबिथि सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन ने सड़क पर लोगों को अस्थायी राहत देने के लिए 'जल वितरण' कार्यक्रम आयोजित किया।

संस्था की सचिव रीता बेरा ने कहा- "सड़क पर मौजूद करीब 1000 लोगों, टोटो चालक बंधुओं को ठंडे पानी के साथ कोल्ड ड्रिंक, भीगा चना और तरबूज के टुकड़े दिए गए। राहगीरों ने इन्हें सहर्ष स्वीकार किया। इससे पथिकों को बहुत तरावट और संतुष्टि मिली।"

इस अवसर पर शालबीथी सदस्य शर्मिष्ठा चौधरी, अर्पिता अधिकारी, अपर्णा दास, मधुमिता शील, संहति सेनगुप्ता, वर्णाली मंडल, सोमदत्त मंडल, हंसी मन्ना, दीपान्विता सेन खान आदि उपस्थित रहीं।

इस कार्यक्रम में परोपकारी एडी बर्मन, शिक्षक सुब्रत महापात्र, राकेश दास, नरसिंह दास, मणिकंचन रॉय, सुदीप खानरा और अन्य भी मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में संस्था की सदस्य मधुमिता शील एवं अन्य लोगों द्वारा सड़क पर पड़े सभी कूड़े-कचरे को साफ किया गया।

तृणमूल कांग्रेस को आतंकवादी संगठन घोषित किया जाना चाहिए- सुवेंदु

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (कोलकाता): संदेशखाली हिंसा और महिला उत्पीड़न के मामले सामने आने के बाद भाजपा बंगाल में कानून का राज खत्म होने की बात कह रही है। इस बीच संदेशखाली में विदेशी हथियार मिलने के बाद भाजपा ने ममता पर निशाना साधा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा के विपक्ष के नेता और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि संदेशखाली में सीबीआई की रेड में मिले सभी हथियार विदेशी हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल में आरडीएक्स जैसे विस्फोटक मिल रहे हैं और इनका इस्तेमाल भयानक राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में किया जा रहा है।

सुवेंदु ने कहा कि इन सभी हथियारों का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों द्वारा किया जाता है, लेकिन राज्य सरकार कुछ नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस को आतंकवादी संगठन घोषित किया जाना चाहिए और ममता बनर्जी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

बता दें कि संदेशखाली में तृणमूल नेता शाहजहां शेख के करीबी के घर सीबीआई ने रेड की थी, जहां तलाशी के दौरान विदेशी हथियार और भारी मात्रा में बम बरामद हुए। सूत्रों ने बताया कि तलाशी के दौरान शाहजहां के करीबी के घर से 348 राउंड गोलियां, चार अत्याधुनिक विदेशी आग्नेयास्त्र, तीन देशी बंदूकें, बम बनाने के मसाले समेत कई बम बरामद किए गए हैं। बाद में एनएसजी के कमांडो ने भी बंद घर व उसके आसपास इजरायली रोबोट की सहायता से तलाशी अभियान चलाया। एनएसजी बम निरोधक और खोजी दस्ते ने विस्फोटकों को सुरक्षित तरीके से एकत्रित करने के बाद उसे निष्क्रिय कर दिया।

भाजपा प्रार्थी सौमित्र खान ने किया धूंआ धार चुनाव प्रचार

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (बाँकुड़ा): बिष्णुपुर लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार सौमित्र खान, उम्मीदवार के रूप में अपने नाम की घोषणा के बाद से विपक्ष के चुनाव प्रचार के लिए एक इंच भी जमीन छोड़ने को तैयार नहीं हैं, उन्होंने इंदास ब्लॉक के शासपुर क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में अपना चुनाव अभियान शुरू किया। उन्होंने हुड कार में समर्थकों के साथ बाइक रैली निकालकर प्रचार किया. इस अभियान में इंदास विधानसभा के भाजपा विधायक निर्मल कुमार धारा. बिष्णुपुर विधानसभा नेता गंगा मोनी रॉय भी विभिन्न नेताओं के नेतृत्व और कार्यकर्ता समर्थकों के साथ मौजूद थे। उन्होंने इंदास के सासपुर क्षेत्र के चारिग्राम में शिव मंदिर में माथा टेककर अपना अभियान शुरू किया। कुल मिलाकर विष्णुपुर लोकसभा क्षेत्र के बीजेपी उम्मीदवार सौमित्र खान धूंआ धार चुनाव प्रचार कर रहे है.

यह बाइक जुलूस बैकुंठपुर चौराहे से पलाशी गांव में समाप्त हुआ, उन्होंने पत्रकारों से मुखातिब होते हुए तृणमूल प्रत्याशी सुजाता मंडल पर तरह-तरह से हमला बोला. उन्होंने कहा कि यह लोकसभा चुनाव कोई बच्चों का खेल नहीं है, आप नाटक करके लोगों से वोट नहीं ले सकते लोगों को समझाने दीजिए.

टीएमसी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर की सीबीआई के खिलाफ शिकायत

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (कोलकाता): संदेशखाली मामले में सियासत तेज होती जा रही है। बीते दिन संदेशखाली में सीबीआई की रेड के खिलाफ टीएमसी ने चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है।

टीएमसी ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर चुनाव के दिन संदेशखाली में छापेमारी करने के लिए सीबीआई के खिलाफ शिकायत की। टीएमसी ने चुनाव के दौरान तलाशी को लेकर चुनाव आयोग से शिकायत करते हुए कहा कि इसका इलेक्शन पर असर पड़ सकता है। सीबीआई ने बीते दिन ही संदेशखाली में टीएमसी नेता शेख शाहजहां के करीबी के घर छापामारी की है।

इस छापामारी में कई हथियार और गोला बारूद मिले। सीबीआई ने बताया कि सभी हथियार विदेशी हैं। तलाशी के दौरान शाहजहां के करीबी के घर से 348 राउंड गोलियां, चार अत्याधुनिक विदेशी आग्नेयास्त्र, तीन देशी बंदूकें, बम बनाने के मसाले समेत कई बम बरामद किए गए हैं। बाद में एनएसजी के कमांडो ने भी बंद घर व उसके आसपास इजरायली रोबोट की सहायता से तलाशी अभियान चलाया।

एनएसजी के बम निरोधक और खोजी दस्ते ने विस्फोटकों को सुरक्षित तरीके से एकत्रित करने के बाद उसे निष्क्रिय कर दिया। घटनास्थल पर राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के कमांडो व सीआरपीएफ के जवानों ने भी तलाशी अभियान चलाया।

भाजपा नित केंद्र सरकार जनविरोधी, देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम सीमा पर- ममता बनर्जी

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (आसनसोल): धुप की तपिस के साथ साथ आसनसोल शहर का राजनितिक पारा भी चढ़ता जा रहा है, चूँकि आगामी 13 मई को यहाँ लोकसभा चुनाव होने है, जिसे लेकर तमाम छोटी बड़ी राजनितिक पार्टियां लगातार चुनावी प्रचार- प्रसार में जुटी है. इसी क्रम में मुख्यमंत्री सह तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने आसनसोल और कुल्टी में दो जन सभाए की.

कुल्टी विधानसभा के नियामतपुर और आसनसोल के उषाग्राम बॉयज हाई स्कूल मैदान में शनिवार को चुनावी सभा को संबोधित किया.

जनसभा मंच से जनता को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा नित वर्तमान केंद्र सरकार जनविरोधी है, जिसके शासन में आज देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम सीमा पर पहुँच गई है, लोग हलकान हो रहे हैं, परन्तु भाजपा और मोदी सरकार को इसकी कोई फिक्र नहीं है, वह सिर्फ लोगों को धर्म के नाम पर विभाजित करके अपनी राजनीति रोटी सकने के फिराक में हैं.

ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य में टीएमसी सरकार विकासशील योजनाओं को जोर शोर से चला रही है, लेकिन भाजपा और केंद्र सरकार बंगाल को वंचित करने के लिए तमाम तरीके अपना रही है. उन्होंने कहा कि मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे कई योजनाओं के पैसे केंद्र सरकार द्वारा रोक दिया गया है.

ममता बनर्जी ने कहा कि ऐसा करके भी भाजपा टीएमसी को डरा नहीं पाएगी, 2011 में जब बंगाल में टीएमसी की सरकार बनी थी, तब से आसनसोल का विकास हुआ है, यहां पर विश्वविद्यालय बना, आसनसोल में जिला बना है, नए रास्ते बने हैं, इसके अलावा ऐसे कई कार्य हुए हैं, जिससे यहां के लोगों का जीवन स्तर सुधरा है. लेकिन भाजपा को वह सब नहीं दिखता, वह सिर्फ लोगों को बांटने की राजनीति करती है.

ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा लोगों को रोजगार नहीं दे पाती, जबकि भाजपा की वजह से करीब 26,000 युवाओं की नौकरी चली गई. मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनके पास अभी भी 10 लाख नौकरियां हैं, लेकिन भाजपा की वजह से उन नौकरियों में नियुक्ति नहीं कर पा रही हैं, क्योंकि जब भी वह नियुक्ति करती हैं, भाजपा और उनके साथी अदालत में जाकर नियुक्तियों में अड़चन पैदा कर देते हैं. भाजपा के नेता कहते हैं की लक्ष्मी भंडार बंद कर देंगे, अगर उनमें हिम्मत है तो बंद करके दिखाएं. बंगाल की महिलाएं इसका माकूल जवाब देंगी.

ममता बनर्जी ने संदेश खाली की घटना पर संदेह व्यक्त करते हुए कहा, केंद्रीय जांच एजेंसीयों ने स्थानीय पुलिस को बताएं, बिना वहां पर तलाशी अभियान चलाया और कहा जा रहा है कि वहां से हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा बरामद हुआ है. उन्होंने कहा कि इस बात के क्या सबूत है कि वह हथियार वहां से बरामद हुए हैं. यह भी तो हो सकता है कि उन हथियारों को वहां पर लाकर रखा गया था और चुनाव के दिन टीएमसी को बदनाम करने के लिए केंद्रीय एजेंसियो द्वारा बरामदगी का नाटक किया गया.

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले भारतीय लोकतंत्र पर इस देश की जनता को गर्व था, लेकिन जब से केंद्र में भाजपा की सरकार बनी है, तब से भारतीय लोकतंत्र खतरे में आ गया है, आज पूरे विश्व में भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों के ढलान पर जाने पर देश की बदनामी हो रही है, लेकिन नरेंद्र मोदी या भाजपा को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता. उनको किसी भी तरह चुनाव जीतने से मतलब है.

ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल में भारतीय जनता पार्टी को रोकने के लिए तृणमूल कांग्रेस ही काफी है और एकमात्र उनकी पार्टी ही बंगाल में भाजपा को रोक सकती है. उन्होंने लोगों से अपील की कि आने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान के दिन टीएमसी के अलावा किसी भी अन्य पार्टी को वोट न दें. उन्होंने कहा कि बंगाल ही नहीं देश की जनता ने यह मन बना लिया है कि इस बार के चुनाव में भाजपा को राजनीतिक रूप से पूरी तरह से साफ कर देना है.

उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा की पिछली बार बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा नेताओं का कहना था कि अबकी बार 200 पार लेकिन चुनाव के जब नतीजे आए तो देखा गया कि उनको 80 सीटें भी नहीं मिलीं. ममता बनर्जी ने कहा कि अब भाजपा नेता यह दावा कर रहे हैं कि उनको 400 से ज्यादा सीट इस बार के लोकसभा चुनाव में मिलेगी, लेकिन इस बार भाजपा को 200 से भी कम सीटें मिलेंगी.

भाजपा विकास को दरकिनार कर धर्म के नाम पर राजनीति करती है- औसी

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (आसनसोल): धधका स्थित डीयूसी पूजा मैदान में जेएनयू की पूर्व एसएफआई छात्र नेत्री औसी घोष ने आसनसोल से इंडिया गठबंधन की माकपा प्रत्याशी जहांआरा खान के समर्थन में जनसभा में शामिल हुई. जहाँ उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार और राज्य की टीएमसी सरकार की खामियों को गिनाते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार विकास के नाम पर सत्ता में आई थी, लेकिन दस वर्षो के कार्यकाल में विकास का एक भी कार्य नहीं किया, साथ ही लोगों को धर्म के नाम पर बांट दिया गया। उन्होंने कहा कि जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ रहे थे, उसे समय उन्होंने वादा किया था कि हर साल 2 करोड लोगों को रोजगार दिया जाएगा। हर एक के अकाउंट

में 15 लख रुपए आएंगे। लेकिन जब चुनाव बीत गया और उनसे उन वादों की सच्चाई के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह सिर्फ चुनावी सिर्फ जुमले थे। उन्होंने कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर राजनीति करती है और विकास को दरकिनार किया जा रहा है। उनका आरोप है कि आज शिक्षा का निजीकरण किया जा रहा है, जिस वजह से आज प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक इतनी महंगी हो गई है कि आम लोगों की पहुंच से बाहर हो गया है। वही टीएमसी पर भी करारा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि अगर टीएमसी यह दावा करती है कि भाजपा के सांप्रदायिक राजनीति के खिलाफ सिर्फ वही लड़ सकते हैं तो आसनसोल में जो दंगे हुए थे। उस समय आसनसोल के भाजपा सांसद बाबुल सुप्रियो को टीएमसी अपनी पार्टी में कैसे ले सकती है। यह वही बाबुल सुप्रियो है जिनके खिलाफ आरोप है कि उनकी वजह से आसनसोल में दंगे भड़के थे और मौलाना साहब के बेटे की हत्या हुई थी। औसी घोष का कहना था कि कौन किस धर्म को मानेगा या कौन किस तरह से अपना जीवन जिएगा या कौन क्या खाएगा यह राजनीतिक दल तय नहीं कर सकते। राजनीतिक दलों के जिम्मेदारी राष्ट्र निर्माण की है। लोगों का विकास करने की है न की धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करना उनका काम है। मौके पर कॉ. पार्थ मुखर्जी, डॉ. अरुण पांडेय, जयदीप मुखर्जी, सीपीआई युवा नेता हेमंत मिश्रा उपस्थित थे।

भाजपा प्रार्थी को तृणमूल समर्थकों द्वारा दिखाए गए काले झंडे

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (दुर्गापुर): भाजपा प्रार्थी दिलीप घोष के रोड शो में तृणमूल समर्थकों द्वारा काले झंडे दिखाते हुए गो बैक के नारे लगाए गए। दुर्गापुर के 23 नंबर वार्ड में चुनाव प्रचार के दौरान एक बार फिर दिलीप घोष को काले झंडे दिखाए गए और गो बैक स्लोगन दिया गया जब भाजपा का रोड शो तृणमूल कार्यालय के सामने से गुजर रहा था इस दौरान तृणमूल कार्यकर्ता काला झंडा दिखाकर नारेबाजी करने लगे इससे वहां तनाव फैल गया वहां तनाव को देखते हुए पुलिस भी तैनात थी. वहीं इसके पहले बर्दवान में चुनाव प्रचार के दौरान जब दिलीप घोष को काले झंडे दिखाए गए और स्लोगन लगाए गए थे तो उन्होंने उन लोगों पर फूल और चॉकलेट बरसाए थे।

खांद्रा में तृणमूल कांग्रेस की सभा में गरजे मंत्री मलय घटक

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (रानीगंज): अंडाल ब्लॉक के खांद्रा तृणमूल कांग्रेस कार्यलय में आने लोक सभा चुनाव को सामने रख कर तृणमूल कांग्रेस की ओर से एक विशाल जनसभा का आयोजन किया।

इस जनसभा में मुख्य वक्ता के रूप में पश्चिम बंगाल के कानून मंत्री मलय घटक, पाण्डेश्वर विधानसभा के विधायक नरेंद्र नाथ चक्रवर्ती, रानीगंज विधानसभा के विधायक तापस बनर्जी, अंडाल ब्लॉक सभापति कालू बरन मंडल, पश्चिम बर्दवान महिला नेत्री आशिमा चक्रवर्ती, अंडाल ब्लॉक युवा सभापति पार्थो देवासी, पंचायत समिति के सदस्य कौशिक मंडल तथा अन्य तृणमूल कांग्रेस के नेता व सदस्य गण उपस्थित रहे.

मुख्यमंत्री को सभा मंच पर विधायक द्वारा सम्मानित करने पर कर्मियो में उत्साह

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (पांडवेश्वर): आसनसोल लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के प्रत्यासी फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन में कुल्टी और आसनसोल में जनसभा को संबोधन करने पहुंची मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सभा में पांडवेश्वर विधानसभा से तृणमुल काग्रेस के कार्यकर्ता भारी संख्या में पहुंचे, केंद्रा अंचल के तृणमूल कांग्रेस नेता जमुना धीवर के नेतृत्व में भारी संख्या में कर्मी मुख्यमंत्री के सभा में शामिल हुए, मुख्यमंत्री को सभा मंच पर पांडवेश्वर विधानसभा के विधायक सह जिला अध्यक्ष नरेंद्रनाथ चक्रवर्ती द्वारा सम्मानित करने पर पांडवेश्वर के तृणमूल कर्मियो में काफी उत्साह देखा जा रहा हैं, पांडवेश्वर के तृणमूल कांग्रेस कर्मियो का कहना है की मुख्यमंत्री ने हमारे विधायक नरेंद्रनाथ चक्रवर्ती को लोकसभा में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कही है और हमलोग अपने विधायक का नाम आगे करेंगे.

भाजपा प्रत्याशी अहलूवालिया के समर्थन में इच्छापुर में कार्यकर्ता सम्मेलन

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (पांडवेश्वर): आसनसोल लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह अहलूवालिया ने पांडवेश्वर विधानसभा के इच्छापुर में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित होकर चुनाव को लेकर मंथन किया. भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में भारी संख्या में महिला पुरुष युवा भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे. सम्मेलन में भाजपा प्रत्यासी एसएस अहलूवालिया ने सभी भाजपा कर्मियो से कहा कि 13 मई को आसनसोल लोकसभा के लिए चुनाव होगा और यह चुनाव मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए हो रहा है, आप लोग बिना भय के सभी बूथों पर अपनी उपस्तिथि दर्ज कराए और मतदाताओं को लेकर वोट कराए. मोदी जी के कार्यों को जनता को बताए, भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में पांडवेश्वर विधानसभा के संयोजक समेत मंडल अध्यक्ष और संगठन के सक्रिय सदस्य उपस्थित थे.

तृणमूल सरकार के 72 प्रकल्पो का लाभ उठा रही बंगाल की जनता- अनिता रानी

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (आसनसोल): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आसनसोल के उषा ग्राम में आयोजित जनसभा में शिरकत की. आसनसोल लोकसभा क्षेत्र में आगामी 13 मई को होने वाले चुनाव में तृणमूल कांग्रेस प्रार्थी शत्रुघ्न सिन्हा को भारी मतों से विजय बनाने का आह्वान किया.

वार्ड 72 की तृणमूल नेत्री अनिता रानी समेत सैकड़ो की संख्या में महिलाए ममता बनर्जी कोसुत्रे पहुंची. इस दौरान अनिता रानी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस सरकार के 72 जनकल्याणकारी प्रकल्प चल रहे है, जिसका लाभ पश्चिम बंगाल की जनता उठा रही है और राज्य में सुख शांति, भाईचारा का माहौल कायम है. जो इसी तरह हमेशा बना रहे यही हम सब की कामना है. इसलिए उनके समर्थन में आज उनकी सभा में शामिल होने हम सभी पहुंचे है.

गरीब बच्चों के साथ हमेशा मददगार रहती है रितु

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (रानीगंज): टीएमसी नेत्री रितु कौर गरीबों की मसीहा है, सड़क पर हो या किसी भी बस्ती क्षेत्र में गरीब घर के बच्चों को देखकर उनकी आंखों में आंसू आ जाता है, मानवता का परिचय देते हुए निरंतर बच्चों के साथ कुछ पल खुशी के बिताती है, उन्हें चॉकलेट मिठाई फल देते रहती है. रीतू ने बताया कि बस्ती इलाके के लोग भी हमारे ही तरह समाज के अंग है. इन्हें अपेक्षित ना समझे इनके साथ भी प्यार के दो पल बिताने चाहिए। रितु कौर के दिनचर्या है कि अपने घर परिवार का दायित्व निभाने के पश्चात और राजनीति के क्षेत्र में समय देना पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कार्यों से प्रेरित होकर वह मुख्यमंत्री को अपना आदर्श मानती है एवं प्रतिदिन कुछ पल गरीब बच्चों के साथ बिताती है।

ओवरटेक करते समय एक बाइक सवार दम्पति हुए हादसे का शिकार

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (रानीगंज): एक ट्रक को ओवरटेक करते समय एक बाइक सवार दम्पति ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गया और बाइक राष्ट्रीय राजमार्ग पर पलट गई, उसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजर रहा एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आकर महिला कुचली गई, वृद्ध महिला गंभीर रूप से घायल हो गई.

यह घटना शनिवार की शाम रानीगंज के रानीसायर मोड़ इलाके में घटी. स्थानीय इलाके के लोगों ने जब इस घटना की जानकारी पुलिस प्रशासन को दी तो ट्रैफिक पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और बाइक चालक एवं गंभीर रूप से घायल महिला को उठाकर आसनसोल जिला अस्पताल

पहुंचाया. घटना के संबंध में पता चला है कि महिला और उसका पति आसनसोल से रानीगंज की ओर जा रहे थे. इस घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने हत्यारे की गिरफ्तारी और दुर्घटना में घायलों के इलाज की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में दुर्घटनाओं की संख्या कम करने के लिए कदम उठाने की मांग की. बाद में पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त किया और आधे घंटे की मशक्कत के बाद स्थिति को सामान्य किया. इस घटना में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 काफी देर तक जाम रहा. सड़क के दोनों ओर असंख्य वाहन खड़े थे. बाद में ट्रैफिक पुलिस के हस्तक्षेप से यातायात सामान्य हो सका. मालूम हो कि इस घटना में गंभीर रूप से घायल महिला की हालत गंभीर है.

आज का राशिफल

28 अप्रैल 2024
रविवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष

दिन भागदौड़ भरा रहने वाला है। आपके बिजनेस में उथल-पुथल बनी रहेगी। मन में निराशा बनी रहेगी। कोई बड़ा जोखिम उठाने से बचें। दान धर्म के कार्य में भी आपकी पूरी रुचि रहेगी।

वृषभ

दिन मिलाजुला रहेगा। अच्छी सोच का कार्यक्षेत्र में लाभ उठाएंगे। मन में नकारात्मक विचारों को न रखें। गलत काम के लिए हां में हां ना मिलाये। लंबे समय से रुका हुआ काम समस्या बनगा।

मिथुन

दिन शानदार रहेगा। अपने करियर में एक अच्छा उछाल देखने को मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने कामों को दूसरे पर ना डाले। राजनीतिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। संपर्को में इजाफा होगा।

कर्क

दिन बढ़िया रहेगा। नई संपत्ति को खरीदने का सपना पूरा होगा। प्रेम जीवन खुशनुमा रहेगा। इधर-उधर के कामों को लेकर भाग दौड़ रहेगी। आपको अपने व्यवसाय में बदलाव करने से बचे।

सिंह

दिन मिलाजुला रहेगा। यात्रा पर जाते समय वाहन बहुत ही सावधानी से चलना होगा। कार्यक्षेत्र में कोई डील सोच समझकर फाइनल करें। अपने लिए समय निकाले। स्वास्थ्य विकार रहेगी।

कन्या

दिन अच्छा रहेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। खर्च करने की आदत में बदलाव लाना होगा। ननिहाल पक्ष से धन लाभ मिलता दिख रहा है।

तुला

दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। की सेहत के प्रति सचेत रहना होगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी। घर को रिनोवेट करने में धन खर्च करेंगे।

वृश्चिक

दिन सामान्य रहेगा। सोचे हुए काम के परिणामों की प्रतीक्षा करनी होगी। किसी बात को लेकर क्रोध ना दिखाएं। बेवजह का लड़ाई झगड़ा पनप सकता है। औरों के कामों पर ध्यान ना लगाये।

धनु

दिन बढ़िया रहेगा। गृहस्थ जीवन खुशनुमा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में प्रमोशन मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उधार दिया धन वापस मिलेगा।

मकर

दिन शानदार रहेगा। खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाएं। ससुराल पक्ष से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। आप किसी गलत योजना में धन ना लगाएं।

कुंभ

दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला किसी परिजन से धन उधार लेने से बचना होगा। कार्यक्षेत्र में कोई गलती हो सकती है। नौकरी में अपने अधिकारियों से माफी मांगनी पड़ सकती है।

मीन

दिन बेहतर रहेगी। बिजनेस में कुछ नये उपकरणों के बाद अच्छा लाभ मिलेगा। कुछ शत्रु कामों बिगड़ने की कोशिश कर सकते हैं। पारिवारिक संबंधों में किसी बात को लेकर कटुता आ सकती है।

कोर्ट में याचिका खारिज, हेमंत सोरेन चाचा के अंतिम संस्कार में नहीं हो सके शामिल

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद): रांची/ जमीन घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अंतरिम जमानत याचिका ईडी कोर्ट ने खारिज कर दी।

हेमंत सोरेन ने चाचा राजाराम सोरेन के अंतिम संस्कार और क्रिया-कर्म में शामिल होने के लिए यह याचिका दाखिल की थी, जिस पर सुनवाई के बाद ईडी के स्पेशल जज राजीव रंजन की अदालत में याचिका खारिज कर दी गई।

याचिका में हेमंत सोरेन ने कोर्ट से यह आग्रह किया था कि उन्हें चाचा के अंतिम संस्कार में शामिल होने की इजाजत दी जाये। इसके साथ उन्होंने कोर्ट से 13 दिनों की अंतरिम जमानत मांगी थी।

स्मरण हो कि झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के बड़े भाई राजा राम सोरेन का निधन आज यानी शनिवार की भोर में हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। राजाराम सोरेन का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव रामगढ़ के नेमरा गांव ले जाया गया है।

सिविल कोर्ट में न्यायाधीशों ने किया रक्तदान

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद): शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार धनबाद के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन सिविल कोर्ट धनबाद स्थित लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल कार्यालय में किया गया। शिविर में 12 न्यायिक पदाधिकारीयों, आठ अभियोजन पदाधिकारी, लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल के सदस्यों, सिविल कोर्ट कर्मचारीयों, अधिवक्ताओं, डालसा के पारा लिगल वोलेंटियर ने कुल 26 यूनिट रक्त का दान किया। सबसे पहले रक्तदान धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुलदीप मान ने किया जिसके बाद अवर न्यायाधीश निताशा बरला, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी पूजा पांडे, अपर लोक अभियोजक समित प्रकाश, उनकी पत्नी मिनल प्रकाश, उमेश दीक्षित पुलिस जय कुमार रवानी, सौरव सरकार, अभिजीत कुमार साधु, पंकज कुमार श्रीवास्तव, श्रीचंद प्रसाद, संदीप कुमार, अरूण कुमार, रघुनाथ महतो, सुमन पाठक, शैलेन्द्र झा, नीरज गोयल, मुस्कान चोपड़ा, स्वाति कुमारी, हेमराज चौहान, जयदेव बनर्जी, चंदन कुमार, प्रदीप कुमार सिन्हा, शमशेर आलम, अनूप कुमार, अशोक कुमार, ने दोपहर बारह बजे तक रक्त दान किया। इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा के अध्यक्ष राम शर्मा ने कहा कि वक्त का हर क्षण और रक्त का हर कण अमूल्य होता है।

रक्तदान एक महान कार्य है रक्तदान कर आप किसी की जान बचा सकते हैं सामाजिक कार्यों में इससे श्रेष्ठ कोई दान नहीं होता। वहीं अवर न्यायाधीश निताशा बरला ने कहा कि डालसा मुफ्त कानूनी सहायता के अलावा सामाजिक कार्यों में बढ़कर हिस्सा लेती है और इसी कड़ी में आज रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया है। मौके पर अवर न्यायालय मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला, अवर न्यायाधीश एंजेलिना जॉन, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी पूनम कुमारी, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी पूनम कुमारी, रजिस्ट्रार अभिनव त्रिपाठी, एसएनएमसीएच के डॉक्टर बी के पांडे, अशोक शर्मा, संजीव कुमार, राजू महतो, शंभू साहनी विष्णुपद कुंभकार, टेक्निशियन, प्रार्थना गुप्ता, प्रियंका कुमारी, प्रेरणा, पैरा लीगल वोलेंटियर राजेश सिंह, समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

अनुपमा सिंह ने ढुल्लू महतो पर साधा निशाना, कहा

धनबाद में बीजेपी ने सत्ता की मलाई चखी, लेकिन अफसोस आज तक जनता के हित में कोई भी काम नहीं किया

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद): धनबाद लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने अपने प्रतिद्वंदी व बीजेपी उम्मीदवार ढुल्लू महतो पर जमकर निशाना साधा है।

अनुपमा ने कहा, "संसद जाने का ख्वाब देख रहे ढुल्लू महतो को जनता सबक सिखाएगी। वह तो कभी ढुल्लू महतो जैसे चरित्र को देखना भी नहीं पसंद करेंगी। मेरा चुनाव लड़ने का निर्णय सिर्फ ढुल्लू महतो जैसे चरित्र को रोकने के लिए है। ढुल्लू महतो अनुपमा सिंह के लिए कोई भी चुनौती नहीं है।

अनुपमा ने बीजेपी को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, "इतने सालों से धनबाद में बीजेपी ने सत्ता की मलाई चखी, लेकिन अफसोस आज तक जनता के हित में कोई भी काम नहीं किया। उन्होंने कहा, "धनबाद के लोगों की बेबसी का अंदाजा आप महज इसी से लगा सकते हैं कि ना ही यहां सुचारू सड़क की व्यवस्था है और ना ही मूलभूत चिकित्सकीय जरूरतों को पूरा करने के लिए कोई अच्छा अस्पताल है। जनता के हित से जुड़े कई मुद्दे आज भी ठंडे बस्ते में पड़े हैं।

अनुपमा का दावा है कि उन्हें धनबाद के लोगों का अपार प्यार और समर्थन मिल रहा है। उन्हें विश्वास है कि इस चुनाव में वो जीत का पताका फहराकर रहेंगी। उन्होंने कहा, "पिछले 70 वर्षों में कांग्रेस ने जो काम किया, उसे बीजेपी ने चंद वर्षों में बर्बाद कर दिया है। जनता का जीना मुहाल हो चुका है।

मिट्टी का अवैध खनन करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा के निर्देश पर कोयला, बालू सहित अन्य खनिज संपदा के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन के विरुद्ध जिला खनन टास्क फोर्स द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी कड़ी में खान निरीक्षक श्री बिनोद बिहारी प्रमाणिक ने आज मिट्टी के अवैध खनन करने वालों के विरुद्ध बरोरा थाना में एफआईआर दर्ज कराई है।

इस संबंध में श्री प्रमाणिक में बताया कि 24 अप्रैल को बरोरा थाना द्वारा जब्त एक जेसीबी मशीन एवं मिट्टी लदे 2 ट्रैक्टर की आज जांच की गई।

जांच में पाया गया कि दोनों ट्रैक्टर में जेसीबी से मिट्टी का अवैध खनन कर लोड किया गया है। वहीं पूछताछ के क्रम में पता चला कि उस स्थान से मिट्टी का अवैध खनन कर जिले के अवैध ईंट भट्ठे में भेजा जाता है।

जांच पड़ताल के बाद खान निरीक्षक ने जब्त जेसीबी, जेसीबी के मालिक, जेसीबी के ऑपरेटर, लगभग 80 घनफीट मिट्टी लदे ट्रैक्टर नंबर जेएच 10 ए.एन. 8677, लगभग 40 घनफीट मिट्टी लदे ट्रैक्टर नंबर जेएच 09 पी 5657, दोनों ट्रैक्टर के मालिक तथा उसके चालकों एवं इस कार्य में संलिप्त अज्ञात लोगों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957, झारखंड लघु खनिज समनुदान नियमावली, 2004 के नियमों तथा आईपीसी के विभिन्न धाराओं के तहत बरोरा थाना में आज प्राथमिकी दर्ज कराई है।

धनबाद में नए हवाई अड्डा का निर्माण के लिए लिखे गए पात्र का जवाब आया

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद): धनबाद में नए हवाई अड्डा का निर्माण के लिए मैंने 28 दिसंबर 2023 को नगर विमानन मंत्रालय, भारत सरकार को एक पत्र लिखा था जिसका जबाब विगत 25 अप्रैल 2024 को अमित कुमार झा, अपर सचिव, भारत सरकार (पत्रांक संख्या: एवी -24032/ 144 (1) /2021 - एडी) द्वारा प्राप्त हुआ। पत्र का अवलोकन करने पर पता चला कि नगर विमानन भारत सरकार को धनबाद में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के निर्माण हेतु कोई भी प्रस्ताव जीएफ नीति के तहत आज तक मंत्रालय को नहीं दिया गया है (पत्र की छायाप्रति संलग्न है) यह पत्र सचमुच में चौकाने वाला है। मैं पुनः राज्य सरकार से मांग करता हूँ कि यदि सचमुच में आप धनबाद का विकास चाहते हैं तो हवाई अड्डा नीति 2008 के तहत धनबाद में हवाई अड्डे के निर्माण हेतु प्रस्ताव भेजने का कष्ट करें। क्योकि धनबाद में स्थल की कमी नहीं है जब मेघालय में देश का सबसे छोटा एयरपोर्ट बलजेक एयरपोर्ट बन सकता है तो धनबाद में क्यों नहीं?

आपके घर की पार्टी में बचे हुवे खाने से भी किसी का पेट भरा जा सकता है: दिलीप दाशौंधी

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद): कतरास, कल शाम को कतरास बाजार के दिलीप दाशौंधी के एक मित्र के घर में एक पार्टी रखी गई थी पर पार्टी खत्म हो जाने के बाद बहुत सारा खाना बच गया तब दिलीप दाशौंधी ने उस खाने को एक टोटो में लॉर्ड करवाया और कतरास के विभिन्न जगहों में रहने वाले अहसहायो तक वो खाना पहुंचा दिया, इससे खाना भी बरबाद नहीं हुआ और अनेक भूखे लोगो का पेट भी भर गया इस नेक कार्य में अभिषेक केवट दिलीप दाशौंधी के साथ खड़े रहे।

स्कूल बस पलटने से डेढ़ दर्जन बच्चों के घायल होने की खबर

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद/रांची): मांडर थाना क्षेत्र के चुंद में स्कूल बस पलटने से बस में सवार लगभग डेढ़ दर्जन बच्चों के घायल होने की खबर है। स्कूल बस चुंद स्थित संत नारीया स्कूल की बताई जा रही है। घटना सुबह उस समय घटी जब बस चालक बच्चों को लेकर स्कूल जा रहा था और बस अनियंत्रित होकर गड्ढा नुमा खेत में जा पलटी। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल सभी बच्चों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया उनका इलाज किया जा रहा है। जानकारी अनुसार सभी बच्चे सुरक्षित है।

खाना खाते समय खस्सी का मीट कम परोसने की बात पर बाराती और लड़की पक्ष वालों के बीच हाथापाई लात घूंसे

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद): गिरिडीह के पचंबा थाना क्षेत्र के पिंडाटांड़ पंचायत के परतापपुर गांव में जमुआ थाना क्षेत्र के हरिला गांव से बारात आई थी। खाना खाते समय खस्सी का मीट कम परोसने की बात पर बाराती और लड़की पक्ष वालों के बीच तू-तू मैं-मैं शुरू हुई जो देखते ही देखते हाथापाई लात घूंसे तक पहुंच गई। रात करीब 2 बजे घटना की सूचना पाकर स्थानीय ग्राम प्रधान सह उप मुखिया महावीर साव बीच बचाव करने पहुंचा तो आक्रोशित और शराब के नशे में धुत बारातियों ने उसी के ऊपर हमला बोल दिया।

खाना बनाने के लिए रखे गए लोहे की रॉड से मारकर उप मुखिया का एक पैर तोड़ दिया। जख्मी हालत में उप मुखिया ने पचंबा थाना को घटना की सूचना दी। जब तक पुलिस पहुंची हमला करने वाले नशे में धुत बाराती भाग निकले। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि कुछ बारातियों को भी मामूली चोटें आई थीं।

घटना की लिखित सूचना उप मुखिया ने शुक्रवार को सुबह पचंबा थाना प्रभारी को दिया और दोषियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने की मांग की। परिवार जनों और ग्रामीणों के साथ पचंबा थाना पुलिस सहयोग से जख्मी उप मुखिया को इलाज के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के उपरांत स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया। इस संबंध में थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि लोगों से पूछताछ की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

धनबाद का विकास चाहिए तो साफ-स्वच्छ छवि के प्रत्याशी को चुने: कार्तिक हाड़ी

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद): देश में लोक सभा चुनाव का पर्व मनाया जा रहा है। धनबाद में चुनाव की तिथि 25 मई है। धनबाद शहरी क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर लगातार जिला प्रशासन के साथ-साथ कई सामाजिक संस्थाएं भी मतदाताओं को जागरूक करने का भी प्रयास कर रहे हैं ताकि इस बार मतदान प्रतिशत शत प्रतिशत हो। इसी कड़ी में हाड़ी जाति समाज सुधार समिति एक सामाजिक संस्था के जिला प्रवक्ता कार्तिक हाड़ी ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर धनबाद के मतदाताओं को 25 मई के दिन अपने-अपने बूथों पर जाकर मतदान करने की अपील की है।संस्था की ओर से यह अपील की गई है कि हरेक मतदाता एक साफ-स्वच्छ छवि के प्रत्याशी का चुनाव करें जिससे की राष्ट्र मजबूत हो सके।धनबाद में आज भी बेरोजगारी चरम पर है। डिग्रियां लेकर भी युवा आज नौकरी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। धनबाद में एक ऐसे सांसद की आवश्यकता है जो बेरोजगारी दूर कर सके। नौकरी के लिए पलायन रुके. उच्च शिक्षण संस्थान धनबाद में स्थापित हो ताकि उच्च शिक्षा के लिए युवाओं को बाहर दूसरे राज्यों में जाना नही पड़े। स्वास्थ्य व्यवस्था जिले में बेहतर करने की आवश्यकता है। धनबाद व आसपास के जिले के गरीब तबके के लोगों के लिए एसएनएमएमसीएच ही एक मात्र सरकारी अस्पताल है. जहां इलाज की समुचित व्यवस्था नही है. स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर कार्य करनेवाले सांसद की आवश्यकता आज इस धनबाद को है। इसलिए महत्वपूर्ण है की लोग समझ बुझ कर प्रत्याशी का चुनाव करें ताकि धनबाद की जवळन्त और लंबित मांगे पूरी हो सके।

बढ़ती गर्मी में वॉटर थेरेपी से आनंदित हुए दिव्यांग बच्चे

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद): नारायणी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों की स्कूल पहला कदम स्कूल में शनिवार को एक्टिविटी डे के अवसर पर दिव्यांग बच्चों ने बढ़ती हुई गर्मी में राहत के लिए स्विमिंग पूल का आनंद लिया। इस अवसर पर बच्चों के साथ पहला कदम स्कूल की अध्यक्ष रेनु दुदानी, कोलकाता राउंड टेबल से श्वेता अग्रवाल चेयरपर्सन केकेएलसी 147, अदिति दुदानी चेयरपर्सन सीएमएलसी 132 उपस्थित थे।

उन्होंने दिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित वाटर थेरेपी की तारीफ करते हुए कहा कि सामान्य बच्चों के लिए तो इस तरह का आनंद लेते है पर दिव्यांग बच्चों के लिए अनोखा आनंद होता है। सचिव अनीता अग्रवाल ने बताया कि वाटर थेरेपी बच्चों में हाइपर एक्टिविटी को कम करने के साथ साथ गुस्से को कम करती है अपने उम्र के बच्चों के साथ समायोजित होते है साथ ही सेफ्टी स्किल को सीखते है।

ठंड के बाद गर्मी में हमारे दिव्यांग बच्चे स्विमिंग पूल का आनंद लेने के लिए बेसब्री से इंतज़ार करते है जो उन्हें आनंदित करता है। खेल खेल में स्विमिंग पूल वाटर थेरेपी के साथ बच्चों में काफी लाभ होता है। तत्पश्चात बच्चो ने जूस और चिप्स का भी आनंद लिया।

भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू के समर्थन में जदयू ने चलाया जन संपर्क अभियान

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद): एनडीए गठबंधन की तरफ से धनबाद संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो के समर्थन में धनबाद जिला जदयू के अध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह ने शनिवार को धनबाद कोयलांचल के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों से एनडीए के समर्थन में मतदान करने की अपील की। यह जनसंपर्क अभियान मुनीडीह, बालूडीह, पुटकी तथा केंदुआ आदि क्षेत्र में सघन रूप से चलाया गया। जनसंपर्क अभियान में प्रत्याशी ढुल्लू महतो के साथ धनबाद जिला जदयू के अध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह, संगठन के नगर अध्यक्ष धनलाल दुबे, युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रूपेश पासवान, धनबाद प्रखंड अध्यक्ष बबलू मोदक, युवा प्रकोष्ठ के जिला महासचिव आदित्य पासवान, महिला जिला अध्यक्ष पुष्पा पांडेय तथा दीपेन प्रमाणिक आदि शामिल थें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने विभिन्न बूथों का किया निरीक्षण

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद): जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने आज धनबाद लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बूथ पर एएमएफ की व्यवस्थाओं की जानकारी संबंधित एआरओ से प्राप्त की।

इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने धनबाद विधानसभा क्षेत्र स्थित पांडरपाला के बूथ नंबर 58,59,60 एवं 61 टुंडी विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 71,368 एवं 369 एवं बाघमारा विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 280 एवं 268 का निरीक्षण कर एएमएफ की व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने जिन-जिन बूथ में एएमएफ की व्यवस्था में कमी नजर आई वैसे बूथों के पदाधिकारी को ससमय पीने योग्य पानी, शौचालय, बिजली, रैंप, शेड आदि की व्यवस्था हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान वल्नेरेबल बूथ के मतदाताओं से वार्ता की और कहा कि लोगों को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित करें तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। निर्भीक होकर मतदान करें, किसी के बहकावे में न आएं। जिला प्रशासन एवं पुलिस आप सभी के साथ हैं, इसलिए बिना किसी डर, दबाव, प्रलोभन के अपने मत का प्रयोग करें।

मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी माधवी मिश्रा, डीसीएलआर संतोष गुप्ता, अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह संबंधित क्षेत्र के बीडीओ, समेत बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर मौजूद रहे।

धनबाद मंडल में लगातार चलाया गया गहन टिकट चेकिंग अभियान

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद): धनबाद मंडल में दिनांक 24.04.24 को सुबह 08.00 बजे से 25.04.2024 के रात 08.00 बजे तक लगातार 36 घंटों का गहन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में मंडल के विभिन्न खण्डों में विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें गोमो, कोडरमा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना, सिंगरौली स्टेशनों के साथ अन्य स्टेशनों एवं मंडल से चलने/गुजरने वाली विभिन्न ट्रेनों में गहन टिकट चेकिंग की गई। इस दौरान की गई चेकिंग में 341 टिकट चेकिंग कर्मियों को लगाया गया था। इस विशेष टिकट चेकिंग अभियान के दौरान कुल 3203 यात्रियों को पकड़ा गया एवं उनसे 16 लाख 45 हजार 160 रूपए जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई। इस अभियान के दौरान बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के साथ यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रियों को पकड़ा गया एवं उनसे जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई व कड़ी हिदायत दी गई। यह गहन टिकट चेकिंग अभियान वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक के नेतृत्व में सी.टी.आई टिकट चेकिंग, विभिन्न सी.टी.आई, सी.आई.टी, चेकिंग कर्मियों के साथ मिलकर चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य टिकट काउंटर की बिक्री बढ़ाना, बिना टिकट के यात्रा करने वाले यात्रियों पर लगाम लगाना एवं यात्रियों को टिकट लेने के लिए प्रेरित करना है जिससे कि वो अगली बार टिकट लेकर यात्रा करे।

गोमो, कोडरमा के रास्ते पुरी-आनंद विहार टर्मिनल के मध्य एक जोड़ी समर स्पेशल ट्रेन

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद): ग्रीष्मकालीन ऋतु के दौरान यात्रियों की अत्याधिक भीड़ के मद्देनजर उनके सुविधा एवं सुगम आवागमन हेतु गोमो, कोडरमा के रास्ते पुरी- आनंद विहार टर्मिनल के मध्य एक जोड़ी समर स्पेशल ट्रेन चलायी जाएगी। गाड़ी संख्या 08481/ 08482 पुरी- आनंद विहार टर्मिनल- पुरी स्पेशल (भुवनेश्वर- कटक- चांडिल- मुरी- बोकारो- गोमो- कोडरमा- गया- डीडीयू- प्रयागराज- कानपुर- टुंडला के रास्ते):- गाड़ी संख्या 08481 पुरी- आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल दिनांक 29.04.2024 से 24.06.2024 तक प्रत्येक सोमवार को पुरी से 23.45 बजे खुलकर मंगलवार को 13.00 बजे गोमो पहुंचेगी और यहाँ से 13.05 बजे आगे के प्रस्थान करेगी, 14.00 बजे कोडरमा पहुंचेगी और यहाँ से 14.02 बजे आगे के प्रस्थान करेगी एवं बुधवार को 09.50 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 08482 आनंद विहार टर्मिनल- पुरी स्पेशल दिनांक 01.05.2024 से 26.06.2024 तक प्रत्येक बुधवार को आनंद विहार टर्मिनल से 11.50 बजे खुलकर गुरुवार को 06.18 बजे कोडरमा पहुंचेगी और यहाँ से 06.20 बजे आगे के प्रस्थान करेगी, 07.22 बजे गोमो पहुंचेगी और यहाँ से 07.27 बजे आगे के प्रस्थान करेगी एवं गुरुवार को 21.30 बजे पुरी पहुंचेगी। इस स्पेशल में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 04 कोच होंगे।

नशे और पैसे से प्रभावित होते चुनावी नतीजे

वोटरों को प्रभावित करता पैसा और नशा

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल 2024: भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पहले आम चुनाव से लेकर अध्यतन चुनाव में पैसे तथा नशे की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही है। वैश्विक स्तर पर भी इस महत्वपूर्ण कारक का प्रभाव रहा है। आम चुनाव में लोकसभा,विधानसभा के चुनाव से लेकर स्थानीय चुनाव तक सक्षम चुनाव के उम्मीदवार पैसे और नशे की खेप से मतदाता के बड़े गरीब तपके के मतदाताओं को प्रभावित करते आए हैं। मतदान के ठीक 1 दिन पहले रात्रि में मजदूरों की झुग्गी झोपड़ियों में बकरा तथा शराब की पार्टियों तथा रूपयों के साथ अन्य आवश्यक सामग्रियों के वितरण द्वारा मतदाता को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। शराब तथा पैसों की लगातार आपूर्ति और वितरण मतदाताओं को प्रभावित करने का मापदंड बनता चला आया है। शराब एवं अन्य नशा देश के नौजवानों को मानसिक शारीरिक और आर्थिक रूप से कमजोर करता रहा है तथा चुनाव के समय इस पर प्रभावी नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है इस पर एक राष्ट्रीय कानून तथा संविधान बनाने की बड़ी और प्रभावी आवश्यकता है। आईए एक विश्लेषण में देखते हैं कि नशा किस तरह देश के आर्थिक तथा मानसिक विकास को क्षति पहुंचाता आया है।

देश में हर तरह के सूखे और अन्य नशे से न सिर्फ शारीरिक, मानसिक, सामाजिक संरचना कमजोर होती है, बल्कि परिवार, समाज और देश के आर्थिक तंत्र पर बड़ी चोट लगती है। वैश्विक स्तर पर यह माना जाता है कि विश्व का हर चौथा युवा नशे की गिरफ्त में है और उसकी सांसे नशे के नियंत्रण में ही हैं। भारत युवा शक्ति का देश है और भारत को नशे की गिरफ्त से बचाकर एक ऊर्जावान युवा शक्ति का बड़ा केंद्र बनाना ही हमारी सार्थकता होगी। विश्वव्यापी नशे की व्यापकता को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने 7 दिसंबर 1987 को एक प्रस्ताव पारित कर हर वर्ष 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा व मादक पदार्थ निषेध दिवस मनाने का निर्णय लिया था। ये एक तरफ लोगों को नशे के प्रति चेतना फैलाता है ।वहीं दूसरी तरफ नशे की गिरफ्त में आए लोगों के उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी उठाता है।

मादक पदार्थों की नशे की लत आज के युवाओं में तेजी से फैल रही है। कई बार फैशन की खातिर दोस्तों के कहने पर लिए गए यह मादक पदार्थ अक्सर युवाओं के लिए जानलेवा साबित होते हैं। युवा तो युवा बच्चे भी फेविकोल,तरल इरेज़र, पेट्रोल की गंध और स्वाद के प्रति आकर्षित होते हैं, और कई बार कम उम्र के बच्चे आयोडेक्स, वोलीनी जैसी दवाओं को सूंघकर नशे का आनंद लेते हैं। कुछ मामलों में आयोडेक्स को ब्रेड में लगाकर खाने का नशा भी बच्चों में देखा गया है। और मजाक मजाक में जिज्ञासा बस कोरेक्स, कोडन, अल्प्राजोलम, कैनेबिस जैसी दवाओं को पीकर नशे में झूमते हैं। यह नशीली दवाएं कब बच्चों को तथा गरीब युवाओं को अपने घेरे में ले लेती है पता ही नहीं चलता। तंबाकू, सिगरेट, गांजा, कोकीन, चरस, स्मैक, भांग जैसी नशीली वस्तुओं का आज युवा वर्ग लगातार सेवन कर अपनी जिंदगी से खेलने में लगा हुआ है। पहले इन लोगों को मादक पदार्थों की मुफ्त में लग लगाकर सबको इसका आदी बनाया जाता है, और फिर ऐसी नशे की लत में युवा चोरी, बच्चे चोरी, डकैती,पॉकेट मारी, घर के पैसे, रुपए, जेवरात चुराने की हरकतें करने लगते हैं, जो न सिर्फ कानूनी अपराध है बल्कि समाज की बहुत बड़ी विसंगति भी है। कई बार बच्चे घर के ही बड़े सदस्यों को देखकर यह नशा करने लगते हैं कि जब बड़े कर रहे हैं तो उन्हें भी यह करने में कोई बुराई नजर नहीं आती है। और फिर इनके द्वारा शुरू होता है असामाजिक कार्यों का सिलसिला धीरे-धीरे युवा नशे की लत में अपराध जगत की ओर बढ़ने लगता है। चिकित्सकीय आधार पर देखा जाए तो हीरोइन चरस कोकीन गांजा जैसे मादक पदार्थों के नशे की गिरफ्त में आकर अपना मानसिक संतुलन खो देते हैं, एवं पागल तथा सुसुप्ता अवस्था में चले जाते हैं, नशे की लत शरीर को सुस्त कर मृत्यु की ओर ले जाती है। और नशे की लत में मानसिक संतुलन खोकर व्यक्ति बड़े-बड़े अपराध तक कर बैठता है।, नशे की लत का मामला न सिर्फ स्वास्थ्य से जुड़ा होकर बल्कि अपराध जगत से भी जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि जीवन अनमोल है और इस अनमोल जीवन को नशे की लत में नष्ट कर समय से पहले ही मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाने के साथ-साथ मादक पदार्थों से मुकाबले के लिए विभिन्न देशों द्वारा उठाए गए कदमों तथा इसके मार्ग में उत्पन्न चुनौतियों की भी बताता है। वैसे इतने घातक तथा खतरनाक नशे की लत को केवल 26 जून को नशा निरोधक दिवस बना कर इतिश्री नहीं कर लेना चाहिए, बल्कि इसके विरुद्ध हर देश को एक व्यापक जन अभियान भी चलाना चाहिए। 26 जून का दिन मादक पदार्थों से मुकाबले का प्रतीक बन गया है।और इस दिवस पर मादक पदार्थों के उत्पादन तस्करी तथा सेवन के दुष्परिणामों से बचने के उपायों के बारे में विस्तृत चर्चा भी की जानी चाहिए। भारत दक्षिण एशियाई देशों के मध्य हीरोइन का बड़ा उपभोक्ता देश बनते जा रहा है। भारत के कई भूभाग पर अफीम की खेती भी की जाती है। पारंपरिक तौर पर किस के बीच पोस्तों से सब्जी बनाकर खाई जाती थी, किंतु कालांतर में इसका उपयोग एक मादक पदार्थ के रूप में आरंभ हुआ जिसने एक बहुत बड़ा खतरनाक रूप ले लिया। एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत में 12 से 60 साल की उम्र के लोगों में नशे की लत लगभग 1.6% देखी गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में जिस अफीम की हीरोइन में तब्दील नहीं किया जाता उसका दो तिहाई हिस्सा 5 बड़े देशों में इस्तेमाल होता है इसमे ईरान 42%, अफगानिस्तान पाकिस्तान 7%, भारत खुद 6% तथा रूस में इसका 5% उपयोग होता है। भारत में 2008 में 17 मि,टन हीरोइन की खबत होती थी,और वर्तमान में भारत में अफीम की खपत 65 से 70 मी,टन प्रति वर्ष होने लगी है। यह विश्व में इस्तेमाल होने वाली अफीम का 6% है। भारत में ही अफीम की 1500 से लेकर 2000 हेक्टेयर में अफीम की अवैध खेती होती है। यह तथ्य वास्तव में देश के लिए और देश के युवा तथा बच्चों के लिए अत्यंत खतरनाक है। इस पर शासन प्रशासन द्वारा कड़ी नजर रख इस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

भारत में शराब सेवन करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है साथ ही मध्य पान के कारण 1500 से दो हजार भारतीय आज शराब के नशे में प्रतिवर्ष मरने भी लगे हैं। आज की स्थिति में हर 20 व्यक्तियों में से एक व्यक्ति शराबखोर है।पुरुष तो पुरुष महिलाएं भी आज की स्थिति में मध्य पान की ओर आकर्षित हो रही हैं। विशेषकर उच्च तथा मध्यम वर्गीय परिवारों में महिलाएं शराब का सेवन करने लगी है ।इसमें से कुछ महिलाएं खुलेआम कुछ छुप-छुपकर इसका सेवन करती हैं। महानगरों में बड़े शहरों की कामकाजी महिलाओं के छात्रावासों तथा हॉस्टल में महिलाओं का शराब का सेवन तेजी से बढ़ते जा रहा है एक सर्वे के अनुसार करीब 20 से 25% महिलाएं शराब खोरी की गिरफ्त में आ चुकी हैं। यूरोपियन देशों में महिलाओं की नशाखोरी की आदत का प्रतिशत 60% से ऊपर है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बैठकों सेमिनार तथा मीटिंग में शराब का सेवन एकदम आम बात बन गई है।

यह एक फैशन की तरह महिलाओं के मध्य फैल कर उन्हें नशे की लत में डुबोने लगा है। मनोवैज्ञानिक डॉक्टरों के अनुसार नशा मनुष्य के जीवन के लिए जहर जैसा है, नशे की लत में वैवाहिक जीवन भी टूटने के कगार पर आ जाता है।मनुष्य के शरीर का लीवर, किडनी तथा अन्य अंग खराब होकर मृत्यु की ओर ले जाने को तत्पर रहते हैं। नशे से दूर रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तथा राष्ट्रीय स्तर पर भारत में भी अनेक उपाय किए जा रहे हैं। नशा मुक्ति केंद्र तथा नशे के पदार्थों पर चेतावनी आदि लिखने का काम किया जा रहा है। नशा आज युवाओं को पथभ्रष्ट चरित्रहीन और अपराधी बनाने के पीछे एक बड़ा घातक कारण है। नशे की प्रवृत्ति से बचाने के लिए मनुष्य को नशे से हर हाल में दूर रखना होगा अन्यथा आने वाली पीढ़ी राष्ट्रीय चरित्र राष्ट्रीय सम्मान तथा राष्ट्रीय शक्ति को भूलती जाएगी और नशे की लत में युवा अपने कर्तव्य से परे हो जाएगा। जोकि एक बहुत खतरनाक स्थिति होगी।

संजीव ठाकुर
(वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक)
चिंतक, स्तंभकार, टिप्पणीकार
रायपुर छत्तीसगढ़

सिर कहां झुकने वाला!!

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल 2024: सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा/ इतना मत चाहो उसे वो बेवफा हो जाएगा। बशीर बद्र जी का यह शेर मुझे भाता आ रहा है। लेकिन इस बीच पत्थर, देवता पर तो काफी कुछ किया, लिखा और समझाया जा चुका है। मेरा ध्यान सिर झुकाने पर आ गया है। सिर झुकाना वर्तमान समय का ऐसा मुहावरा बन गया है कि चाहे वह अखबारों में हो या तथाकथित निष्पक्ष इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हो काफी दिनों से शोर मचा रहा है।

बड़े भैया ने कह दिया मैंने देशवासियों का सिर झुकने न दिया। अनायास ही वे अपने शासनकाल के सत्यों को उजागर कर गए। 'सच्चाई छुप नहीं सकती' बात है। आपको अचरज होगा ऐसा कौन सा गूढ़ रहस्य है कि इस पर जो हल्ला मचाया जा रहा है। तो आइए हम खुलासा करते चलें। आपको शंका करने और हमें समाधान करने के अवसर ही कितने हैं आज के व्यस्त, त्रस्त और सुस्त जिंदगी में?

नोटबंदी के पीछे न झुकने देने वाली बात थी। हम अपने पुराने नोटों को बैंकों के आगे कतारों में खड़े होकर नए नोटों में बदलवाने की कसरत कर रहे थे। तब उछल उछल कर देखते थे कि कहीं कोई और बीच लाइन में तो नहीं घुस गया। कभी आसमां पर आग उगलते सूरज की तरफ, तो कभी सामने वाले के कांधे से झांक कर देखते थे कि लाइन चल रही है या नहीं। कैसे सिर झुकते? भार ढोते-ढोते कांधे जरूर झुक गए लेकिन सिर झुका नहीं। इसी तरह हमने जीएसटी के लिए भी सिर उठाकर मारामारी की, मगज पच्ची की।

जब देश में कोरोना आया तीन बार वह अपना करतब दिखाते हुए सारे शासकों और प्रशासकों की निष्क्रियता का पोल खोलता हुआ मंद पड़ गया। हम अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन पाने, वैक्सीन लगवाने लाइन पर लग गए। आसमां की तरफ सिर उठाकर ऊपर वाले से मन ही मन पूछते यह किस जन्म का बदला ले रहे हो भगवान? कुछ करिए या उठा लीजिए! हम इस वक्त भी हमेशा सिर उठाए रहे ईश्वर को कोसने या उससे मदद मांगने।

सिर झुकने का अवसर बड़े भैया ने कभी नहीं दिया। जब मुद्रास्फीति या महंगाई आसमान छू रही है, तब हम जमीन पर देखते भी कैसे? तेल, नून, लकड़ी की तर्ज पर तेल, अनाज, सब्जियां, पेट्रोल, डीजल, ईंधन गैस, बिजली का बिल, यातायात के भाड़े... जब जाकर आसमान में बैठ गए, तो हम हमेशा खुद को आसमान में उड़ते देखते रहे,-- उन चीजों के दामों पर लगाम कसे जाने के लिए।

इतना होने के बाद भी जब सुबह उठते हैं तो सूरज को देखते हैं, जो आजकल शासक वर्ग की ज्यादतियों की तरह आग उगल रहा है। बिजली गुल, पंखे बंद, हाथ पंखों से हवा करते हुए ऊपर देखने के अलावा किया किया जा सकता है? कहीं जाने आने में पांव की जंजीर बनी महंगाई का विकटाट्टहास आसमां में छिपे राक्षसों के स्वर सा सुनाई पड़ता है तो लगता है हम जमीन पर क्यों पैदा हुए? पांव के नीचे की जमीन खिसकती सी लगती है। जब सारा कुछ पहुंच से बाहर है तो सिर झुकाने की फुर्सत किसको है? कोन जुर्रत कर रहा है?

अब नया शगल आ गया है। ड्रोन द्वारा गुणवत्ता की जांच। इसके पहले कई वैज्ञानिक खोजों के पितामह बड़े भैया का यह लेटेस्ट टुरुप का इक्का है। ड्रोन देखने के लिए भी तो आपको ऊपर ही देखना होगा। हमेशा कोशिश करते हैं वे कि लोग सिर झुका कर नीचे न देखें। वरना खराब सड़कें, खामियों का खुला आगोश और समस्याओं के पुलिंदे नजर आएंगे। आसमान में महंगाई ने दिन में तारे दिखा दिए। निष्क्रिय प्रशासन और निद्राग्रस्त शासन को तो बस लोगों को भी अकर्मण्य और निष्क्रिय बनाना ही उद्देश्य रह गया है। बेरोजगारों की संख्या आसमान पर, अपराधों की संख्या शिखर पर, कमियों खामियों का हिमालय और हम हैं कि ड्रोन में अपना सुनहरा भविष्य देखते हैं। ड्रोन से आप ताक झांक जरूर कर सकते हैं। गुणवत्ता उस ऊंचाई पर सक्रिय ड्रोन से...... मेरा दिमाग तो बस नाले में से गैस और पकौड़ों की दुकान से बेरोजगारी हटाने जैसे शब्दों से अटा पड़ा है। पांडवों से प्यार था उस द्रोणाचार्य को/ हर जगह दिखने से प्यार है इस ड्रोन आचार्य को।

अब मंदिर भी जाता हूं तो सिर नहीं झुका पाता हूं, कहीं कोई पीछे से आकर सिर को ऊपर न उठाने लगे। सिर झुकाओगे तो बड़ा भैया नाराज हो जाएगा/ पता नहीं खुशहाली और शांति कौन लेकर आएगा?

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

हे प्रियतम!

अब महसूस कर पायी हूं
तुम्हारे प्रेम को
कितनी पीड़ा में थे प्रेम करके
हमेशा मेरी सुंदरता की
बखान करते थे।
गजगामिनी,मृगनयनी कभी
दामिनी कहकर पुकारते।
मेरे नखशिख का सौंदर्य वर्णन
करते थकते नहीं थे तुम
उर्वशी,मोहिनी,मेनका और
ना जाने और कितने नामों से।
मेरी सुंदरता को परिभाषित करते
रहते थे तुम पर ना जाने क्यों
मेरे मन का प्रेम तुम्हारे संग
बैठ ही नहीं पाया और
तुम बिठाने की कोशिश करते।
जब समझाने की कोशिश की
तो तुम्हें सिर्फ और सिर्फ
मेरी सुंदरता से राग हुआ है।
तुम कहते कि मेरे हृदय की
सुंदरता से इश्क है
पर मैं क्या करती तुम्हारे प्रेम को
समझ ही नहीं पाई।
मुझे किसी और के हृदय की
सुंदरता से प्रेम था
और उसे भी मुझसे।
मेरे हृदय की सुंदरता से
ऐसा वह कहा करता था
वह भी मेरी खूबसूरती की
तारीफों का महल बिल्कुल
तुम्हारी तरह ही खड़ा करता था।
और वह मेरे रोम-रोम को
प्रफुल्लित कर देता।
वह शुभ घड़ी आ ही गई जब
मैं और वो दो जिस्म एक जान
वाले बंधन में बंध गए।
सात फेरों के सातों वचन
सातों कसमें साथ-साथ खाए
मुझे लगा मेरी पूरी दुनिया
मुझे मिल गई और मेरी सारी
खुशियां मुकम्मल हो गई।
लेकिन यह भूल कैसे गई कि तेरी
दुनिया तो मैंने उजाड़ दी थी।
तो तुम मेरी दुनिया
भला कैसे बसने देते।
तुमने बेइंतहा मोहब्बत किया था
अगले ही क्षण तुमने मेरे
दुल्हन के चद्दर को हटाकर
अपने प्रेम का तेजाबी चद्दर
मुझे ओढ़ा दिया
देखो ना जिसने कुछ क्षण पहले
सात जन्म साथ रहने की
कसमें खायी थी उसने मुझे मेरे
बदले रूप के कारण
उसी क्षण त्याग दिया।
उसे मेरे मन की सुंदरता अब क्यों
नहीं दिखाई दी?अब सोचती हूं
इस दर्द भरे ताप के साथ कि
कितना दर्द से भरा हुआ
तुम्हारा प्रेम है, आओ ले चलो
मुझे अपनी दुल्हन बनाकर।
मैं अब चलने के लिए तैयार हूं
तुम्हारे प्रेम को समझ चुकी हूं।
तुम चाहते थे कोई बुरी नजर
ना डालें मुझ पर,सच मे
बुरी नजर नहीं पड़ती है अब।
अब पूर्ण रूप से मैं तुम्हारी हूं
तुम मेरे होंठों को स्पर्श करने
के लिए आतुर रहते थे ना
मुझे आलिंगन करके
मेरी सुंदरता को अलंकृत
करना चाहते थे तुम!
मेरी मृग नैनी झील सी आंखों में
डूब जाना चाहते थे तुम!
मेरी जुल्फों की घटाओं में
गुम हो जाना चाहते थे तुम!
मेरी इस बलखाती मदमस्त
जवां अदाओं को पी जाना
चाहते थे तुम!तो आओ आज मैंने
स्वतंत्र कर दिया है खुद को
और तुमको भी उड़ेलो अपना प्रेम
मेरे तेजाबी जिस्म पर
जिस पर तुमने अपने प्रेम की
तेजाबी मुहर लगाई है।
मेरे सुहागरात का बिछौना
बिल्कुल वैसे ही सजा हुआ है
उस पर पड़ी हुई सफेद
मलमल की चद्दर पर
अब तक कोई सिलवटें नहीं पड़ी
उन पर सजे हुए फूल
अब तक मुरझाए नहीं हैं
आओ उड़ेलो अपना तेजाबी प्रेम
मैं भी देखना चाहती हूं कि
कितनी सिलवटें पड़ती हैं
इन कोरी चद्दर पर
यह फूल भी बेकरार है तुम्हारे प्रेम
की ताप से मुरझाने के लिए।
आओ इन सब को गवाही दो
अपने तेजाबी प्रेम का क्योंकि
तुमने तो मेरे हृदय की सुंदरता से
प्रेम किया था, ऐसा ही कहा था।
फिर अभी तक मौन क्यूँ हो
मैं वही गजगामिनी मृगनयनी,
दामिनी,उर्वशी,मेनका हूं।
आओ मुझे दिखाओ अपना
तेजाबी इश्क!

मांडवी सिंह
कुशीनगर-उत्तर प्रदेश
कोलफील्ड मिरर

चलो कुछ करते हैं

चलो मिलकर कुछ करते हैं,
अपनों से धोखा करते हैं,
गैरों पर भरोसा करते हैं,
जहां जलना तय है
उस आग में पांव धरते हैं,
चलो कुछ करते हैं,
एवज में हमें खुलकर मिलेगा
जिल्लत,लाचारी,बेकारी,मार,
भावनाओं से खिलवाड़,
जो होगा सहर्ष स्वीकार,
अपना मसीहा किसी को क्यों
स्वीकारें,
तो चलो दुश्मन के आगे हाथ पसारें,
हमारा मार्गदर्शक वहीं हो सकता है,
जो हमारा जमीर
भिगो भिगो धो सकता है,
अतीत के अनुभवों ने
हमें यहीं तो सिखाया है,
कि अपना मिट्टी पलीद
हमने खुद कराया है,
घी पचाना और अदरक का स्वाद,
हम तभी तो नहीं रखते याद,
बताइये हम कब तक
खुद को खुद से उठाना सीखेंगे?
इसी अज्ञानता के कारण
दूसरों में ही हमें रहबर दिखेंगे।

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़ छग
कोलफील्ड मिरर

सूरज

सुबह के सूरज से
आँख मिला कर की बातें
दोपहर के सूरज से
नहीं कर सकते बाते
तुमने उसे सर चढ़ा रखा
अभिमानी इंसान
दिया भी दिखा नहीं सकते
क्योंकि सूरज ने कर रखा
उनकी परछाई का कद छोटा।

हर रोज की तरह

होती विदाई सूरज की
सूर्यास्त होता ये भ्रम
पाले हुए वर्षों से
पृथ्वी के झूले में
ऋतु चक्र का आनन्द लिए
घूमते जा रहे
सूर्योदय -सूर्यास्त की राह
मृगतृष्णा में
सूरज तो आज भी सूरज है
जो चला रहा ब्रह्माण्ड
सूरज से ही जग जीवित
पंचतत्व अधूरा
अर्ध-महत्व ग्रहण का सब जानते
है सूरज
तुम कभी विलुप्त न होना।

संजय वर्मा "दृष्टि"
कोलफील्ड मिरर

अपनी खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए भारत के साथ व्यापार शुरू करने को आतुर पाकिस्तान

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल 2024: मीडिया समाचारों के अनुसार अपनी खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए पाकिस्तान लगातार हाथ पैर मार रहा है। अब पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार में विदेश मंत्री और नवाज शरीफ के समधि इशाक डार ने भारत के साथ फिर से व्यापार शुरू करने की बातचीत पर जोर दिया है। शहबाज शरीफ के मंत्री का यह बयान इस बात की तरफ इशारा कर रहा है कि पाकिस्तान भारत के साथ फिर से व्यापारिक संबंधों की शुरूआत करने को आतुर है। बीते सालों में ऐसा देखा गया है पाकिस्तान के मंत्री अक्सर भारत के साथ व्यापारिक संबंधों को शुरू करने के लिए जोर दे चुके हैं। पाकिस्तान के पूर्व वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल ने कहा कि किसी अन्य देश में विदेश मंत्री एस जयशंकर को रोककर उनसे प्याज और टमाटर पाकिस्तान भेजने की गुहार लगा चुके हैं।

गौरतलब है कि डार ने पहली बार पिछले महीने लंदन में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान भारत के साथ व्यापार संबंधों को फिर से शुरू करने की संभावना का संकेत दिया था। उनका विचार था कि पाकिस्तान का व्यापारिक समुदाय पाकिस्तान और भारत के बीच व्यापार संबंधों की बहाली चाहता है। उनके बयान की विपक्षी दलों और आलोचकों ने आलोचना की। हालांकि, डार ने गुरुवार को अपनी पिछली टिप्पणियों का बचाव करते हुए कहा कि कई व्यापारियों ने उन्हें बताया कि वे किसी तीसरे देश के माध्यम से भारत से सामान आयात कर रहे थे, जिससे उन्हें अधिक लागत आती थी इसलिए वे दोनों देशों के बीच सीधे व्यापार संबंधों को फिर से शुरू करने के पक्ष में थे।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने लंदन जाकर यह बयान ऐसे समय में दिया था जबकि भारत में आम चुनाव शुरू होने वाले थे। इसलिए चर्चा के लिए तो इस बयान का महत्व हो सकता है लेकिन वास्तविक महत्व तभी होगा जब भारत में नयी सरकार बन जाने के बाद इस पर बातचीत होगी। लेकिन बुनियादी सवाल यह है कि क्या भारत को फिर से पाकिस्तान से व्यापारिक रिश्ता बहाल करना चाहिए? इस सवाल के जवाब में किसी भी राजनैतिक दल ने अपने मेनिफेस्टो में उल्लेख किया है न किसी जाहिर सभा में इसका जिक्र।

ज्ञात हो कि जब अगस्त 2019 में भारत की केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटा दिया था। ये भारतीय संविधान का एक प्रावधान था, जो जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देता था। धारा हटाते हुए सेंटर ने तर्क दिया कि इससे यह राज्य पूरे देश से जुड़ सकेगा। ऐसा हुआ भी। इसी बात पर पाकिस्तान परेशान हो उठा, और बौखलाकर भारत से अपने व्यापारिक रिश्ते निरस्त कर दिए।

दूसरी ओर ये बात भी हो रही थी कि ट्रेड सस्पेंशन की बड़ी वजह कुछ और ही थी। असल में उसी साल भारत ने पाकिस्तान से मोस्ट फेवर्ड नेशन का स्टेटस ले लिया और पाकिस्तानी इंपोर्ट पर टैरिफ 200 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था। भारत ने यह कदम पुलवामा हमले के बाद लिया था, जिसे पाकिस्तानी टैरर गुट जैश-ए-मोहम्मद ने अंजाम दिया था। हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हुए थे। अटैक के चौबीस घंटे के भीतर ही पाकिस्तान का मोस्ट फेवर्ड नेशन दर्जा हटा दिया गया।

यहां बता दें कि वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन का टैरिफ एंड ट्रेड एग्रीमेंट 1994 कहता है कि सारे सदस्य देश एक-दूसरे को मोस्ट फेवर्ड नेशन दर्जा दें, खासकर पड़ोसी देश ताकि फ्री ट्रेड आसान हो सके। हालांकि ये कोई पक्का नियम नहीं। यही वजह है कि रिश्ते खराब होने पर देश सबसे पहले आपस में यही स्टेटस खत्म करते हैं ताकि नाराजगी का आर्थिक असर भी दिखे।

भारत और पाकिस्तान साल 1996 से ही एक-दूसरे को मोस्ट-फेवर्ड नेशन मानते आए। इसके बाद भी पाकिस्तान ने लंबी लिस्ट बनाई, जिसमें वो आइटम थे, जो भारत से आयात नहीं किए जा सकते। ये उत्पाद एक-दो नहीं, बल्कि 12 सौ भी ज्यादा थे। उसका कहना था कि वो ये बैन अपने घरेलू उद्योगों को चलाए रखने के लिए लगाए हुए हैं। हालांकि पहले वो 2 हजार से भी ज्यादा उत्पादों को आयात की मंजूरी दे चुका था। निगेटिव-लिस्टिंग के बाद केवल 138 उत्पाद ही रहे, जो वो भारत से आयात कर रहा था।

ध्यान रहे कि पाकिस्तान हमसे कपास, ऑर्गेनिक केमिकल, प्लास्टिक, न्यूक्लियर रिएक्टर, बॉयलर्स, मशीनरी और मैकेनिकल डिवाइस जैसी चीजें इंपोर्ट करता था। हम भी पाकिस्तान से कई चीजें आयात करते रहे, जैसे- फल और सूखे मेवे, नमक, सल्फर, पत्थर, कई तरह की धातुएं और चमड़ा आदि। ट्रेड सस्पेंड करने के बाद भी पाकिस्तान हालांकि दवाएं मंगाता रहा क्योंकि उसके तुरंत बाद ही कोविड 19 का दौर आ गया था। भारत ने तब उसकी खासी मदद की थी। बंद होने के बावजूद भारत -पाकिस्तान के बीच लेनदेन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ था। मीडिया की एक रिपोर्ट में सरकारी हवाले से कहा गया है कि थोड़ा-बहुत व्यापार वाघा-अटारी बॉर्डर के रास्ते हो रहा था, साथ ही कराची बंदरगाह के जरिए भी लेनदेन चलता रहा। लेकिन ये पहले से बहुत कम, लगभग नहीं जितना हो चुका था।

पाकिस्तान हमसे सबसे ज्यादा कॉटन लिया करता था। अब वो इसके लिए ब्राजील और अमेरिका पर निर्भर है। लंबे रास्ते से आने वाले इन उत्पादों पर समय के साथ पैसे भी काफी खर्च हो रहे हैं। फिलहाल पाकिस्तान जिस आर्थिक बदहाली से गुजर रहा है, दूरदराज के देशों से आयात उसपर और भारी पड़ रहा है। यही वजह है कि उसके विदेश मंत्री ने ट्रेड की वापस बहाली की बात की। हालांकि ये बात उन्होंने सीधे-सीधे नहीं, बल्कि एक इंटरनेशनल मंच पर की। तो फिलहाल ये नहीं कहा जा सकता कि आगे क्या होगा। इसके अलावा भारत की मंजूरी भी जरूरी है।

दरअसल भारत के लिए पाकिस्तान किसी अन्य देश जैसा ही नहीं है। पाकिस्तान का जन्म भारत को मजहबी हिंसा में झोंककर और लाखों लोगों की कुर्बानी तथा बर्बादी पर हुआ है। उसके साथ न भारत का रिश्ता कभी सहज रहा है और न रह सकता है। इसका कारण सिर्फ यह भर नहीं है कि पाकिस्तान पहले दिन से कश्मीर पर दावा किये बैठा है और उसे आतंकवाद के जरिए हासिल करना चाहता है। बल्कि जब जब भारत पाकिस्तान की ओर आगे बढ़ेगा, उसके उन घावों से खून रिसने लगेगा जो पाकिस्तान ने अपने जन्म से अब तक भारत को दिए हैं।सर सैयद अहमद हों या फिर अल्लामा इकबाल या फिर मोहम्मद अली जिन्ना। किसी न किसी तरह से समय समय इन्होंने यही डर दिखाया था कि अंग्रेजों के जाने के बाद हिन्दू अक्सरियत में मुसलमान दब जाएगा। पाकिस्तान भले ही जिन्ना ने मांगा हो लेकिन अविभाजित पंजाब, सिन्ध से लेकर अविभाजित बंगाल तक मुस्लिमों ने अगर अलग पाकिस्तान का समर्थन किया तो उसके मूल में एक बड़ा कारण हिन्दू बनियों का व्यापार में वर्चस्व होना भी था।

आज भी पाकिस्तान में हिन्दुओं की पहचान हिन्दू बनिया के रूप में की जाती है। उनके लिए व्यंग में एक कहावत वहां बहुत प्रचलित है कि हिन्दू वह बनिया है जिसके मुंह में राम और बगल में छुरी रहती है। इसलिए जब 1947 में भारत को काटकर पाकिस्तान बन रहा था तब वहां के मुस्लिम व्यापारियों ने इसे अपने लिए एक अवसर के रूप में देखा था। फिर वो सिन्ध के कारोबारी रहें हों या पंजाब के कारोबारी। उन्हें लगता था कि जो व्यापारिक संभावना हिन्दू बनिया छोड़कर जा रहा है वो उसे चुनने लगें और आर्थिक रूप से समृद्ध हो जाएंगे।शुरुआत के दो दशक जब भारत और पाकिस्तान दोनों ही सोशलिस्ट नीति पर चल रहे थे तब पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति भारत से अच्छी थी। लेकिन बांग्लादेश के अलग होते ही पाकिस्तान ने जो मजहबी रफ्तार पकड़ी तो उसकी अर्थव्यवस्था दिनों दिन बिगड़ती चली गयी। वैसे तो आर्थिक रूप से पाकिस्तान के बर्बाद होने के बहुत से कारण हैं लेकिन सबसे प्रमुख कारण भारत और हिन्दुओं से नफरत ही बनी रही। पाकिस्तान कभी अमेरिका की गोद में बैठा तो कभी चीन के आगे बिछ गया। लेकिन जब जब हिन्दू बनिया से तिजारत (व्यापार) बढ़ाने की बात आई तब तब वहां के मजहबी मुल्लाओं ने बांग दिया कि क्या पाकिस्तान हिन्दुओं से तिजारत करने और अच्छा रिश्ता रखने के लिए बना था?

मुल्लाओं का तर्क अकाट्य है। यही कारण है कि जैसे जैसे पाकिस्तान सच्चे इस्लाम के रास्ते पर आगे बढ़ता गया वहां के लोगों के मन में भारत को लेकर नफरत बढ़ती गयी। जिया उल हक के जमाने से आज तक तमाम उतार चढ़ाव के बावजूद वहां की आम अवाम ही इस बात के हक में नहीं रहती है कि भारत के साथ तिजारती रिश्ते बढ़ाये जाएं। उनकी इस नफरत के बावजूद अगर पाकिस्तान ने भारत के साथ कुछ व्यापारिक रिश्ते रखे हैं तो उसका कारण अंतरराष्ट्रीय बाध्यता और उनकी अपनी आर्थिक मजबूरियां थीं।

लेकिन इस दौरान भी पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद फैलाने में कभी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। कश्मीर और पंजाब में ही नहीं मुंबई पर आतंकी हमला जैसा जघन्य कुकर्म पाकिस्तान के हुक्मरानों ने प्लान किया। एक ओर पाकिस्तान भारत के साथ व्यापार करता रहा दूसरी ओर दो दशक तक देशभर में बम विस्फोट के जरिए हजारों लोगों की जान लेता रहा। एक दशक पहले तक टीवी पर बैठकर आईएसआई के चीफ रहे हामिद गुल जैसे हुक्मरान भारत के मुंबई या बंगलौर जैसे शहरों को बर्बाद करने की धमकी देते रहे। परमाणु बम की धमकी तो मानों उनके लिए कंचे गोली खेलने जैसा हो।

2019 में ही सरकार में दोबारा आने के बाद जब मोदी सरकार ने कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म किया तब पाकिस्तान ने एकतरफा अपनी ओर से न केवल भारत से हाई कमिश्नर वापस बुला लिया बल्कि सभी प्रकार के व्यापारिक रिश्ते भी खत्म कर दिये। उस समय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा था कि जब तक कश्मीर में अनुच्छेद 370 वापस नहीं लागू कर दिया जाता, भारत से कोई तिजारती रिश्ता कायम नहीं होगा।

गौरतलब है कि देश को अरबों डॉलर के कर्ज के लिए अक्सर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) या सऊदी अरब और चीन जैसे मित्र देशों से संपर्क करना पड़ रहा है। भारत के साथ व्यापार बंद होने से दूर देशों से सामान आयात करने में बहुत ज्यादा विदेशी मुद्रा भंडार यूज करना पड़ रहा है, जो पहले से ही काफी कम है। इन कर्जों से पाकिस्तान भारत संग व्यापार के लिए छटपटा रहा है। हालांकि, भारत का रुख एकदम साफ है कि जब तक आतंकवाद नहीं रुकेगा, पाकिस्तान संग बातचीत समेत रिश्ते सामान्य नहीं होंगे।

अशोक भाटिया

दुनिया की कोई ताकत आरक्षण नहीं छीन सकती- राहुल गांधी

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (दिल्ली): कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को X (पूर्व में ट्विटर) पर एक ट्वीट किया है. इसमें उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी के कई नेताओं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करीबियों के बयानों से स्पष्ट हो गया है कि उनका मकसद संविधान बदल कर देश के लोकतंत्र को तबाह कर देना है. आगे उन्होंने लिखा बीजेपी आरक्षण छीन कर दलितों, पिछड़ों की भागीदारी खत्म करना चाहती है.

उन्होंने कहा संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए कांग्रेस चट्टान की तरह बीजेपी के राह में खड़ी है. जब तक कांग्रेस पार्टी है, वंचितों से उनका आरक्षण दुनिया की कोई ताकत नहीं छीन सकती है.

कांग्रेस पार्टी द्वारा राहुल गांधी के आगमन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है. कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी 30 अप्रैल को भिंड जाएंगे. वे भिंड-दतिया लोकसभा सीट के कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा को संबोधित करेंगे. लोकसभा चुनाव के लिए देश के चौथे फेज का मतदान 13 मई को होना है. इसमें झारखंड के चार क्षेत्रों-पलामू, खूंटी, लोहरदगा और सिंहभूम में भी होगा.

इन क्षेत्रों में नामांकन की प्रक्रिया समाप्त होने के साथ ही चुनाव प्रचार जोर पकड़ने लगा है. इसे देखते हुए 13 मई से पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी झारखंड में प्रचार करने जाएंगे.

तीसरे चरण के तहत 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) के 94 सीटों पर 7 मई को मतदान होना है. इस चरण में असम की चार, बिहार की पांच, छत्तीसगढ़ की सात, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव की सभी दो, गोवा की सभी दो, गुजरात की सभी 26, जम्मू एवं कश्मीर की एक, कर्नाटक की 14, महाराष्ट्र की 11, मध्य प्रदेश की 8, उत्तर प्रदेश की 10 और पश्चिम बंगाल की चार सीटों पर मतदान होगा.

जेल का जवाब वोट से' वी मिस यू केजरीवाल, आई लव केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी की रोड शो को लीड किया

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (दिल्ली): शनिवार को आम आदमी पार्टी ने रोड शो किया. खास बात है कि इस रोड शो को सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने लीड किया.

प्रचार वैन पर सवार, हाथ जोड़े लोगों का अभिवादन स्वीकार करती सुनीता केजरीवाल आगे बढ़ती रहीं और इस दौरान समर्थक 'आई लव केजरीवाल' के पोस्टर हाथ में लिए रहे. पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी में सड़क पर उनका काफिला पहुंचा, जिसमें दिल्ली भर से आम आदमी पार्टी के मंत्री, विधायक, पार्षद और कार्यकर्ता शामिल हुए. बता दें कि, अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली में सुनीता केजरीवाल का पहला राजनीतिक अभियान है.

पूरे रोड शो के दौरान, समर्थकों के हाथ में 'जेल का जवाब वोट से'... 'वी मिस यू केजरीवाल'' 'आई लव केजरीवाल'' के पोस्टर दिखे. रोड शो के दौरान सीएम की पत्नी ने जनता से भावुक अपील की. 'सभी को मेरा नमस्कार- प्रणाम, आपके मुख्यमंत्री मेरे पति को जबरदस्ती जेल में डाल दिया गया, जबकि कोर्ट ने उन्हें दोषी करार नहीं दिया है.

सुनीता केजरीवाल ने आगे कहा कि, 'जांच 10 साल चलेगी तो 10 साल जेल में रखेंगे. ये नया सिस्टम निकाला है कि जांच तक जेल में रखेंगे. अरविंद केजरीवाल को 22 साल से शुगर है, 12 साल से इन्सुलिन ले रहे हैं. इन्सुलिन नहीं दी तो किडनी-लिवर खराब हो जाएगा. क्या अरविंद केजरीवाल को मारना चाहते हैं. दिल्ली के लोग अरविंद केजरीवाल को प्यार करते है.

पंचतत्व में विलीन हुए झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के बड़े भाई राजाराम सोरेन

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (धनबाद): पूर्व मुख्यमंत्री सह झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के बड़े भाई राजाराम सोरेन उम्र (84) वर्ष का निधन लम्बी बीमारी के बाद शनिवार को रांची में हो गया।

उनका पार्थिव शरीर रांची से उनके पैतृक आवास रामगढ़ जिला के गोला प्रखंड स्थित नेमरा लाया गया। वहां धार्मिक रीति-रिवाज के कार्यक्रम के बाद उनका अंतिम यात्रा निकाली गयी। इसके बाद घर से कुछ दूरी पर स्थित मुक्तिधाम में उन्हें पंचतत्व में विलीन कर दिया गया।

मुखाग्नि उनके भतीजे दयानन्द सोरेन ने दी। शव यात्रा में राज्य के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, पेयजल एंव स्वछता मंत्री मिथिलेश ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन, बसंत सोरेन, कल्पना सोरेन, रूपी सोरेन, पूर्व विधायक अर्जुन राम, विजय महतो, सुनील राज चक्रवर्ती, रेखा सोरेन, अंजलि सोरेन, सावन टुडू, मुखिया जीतलाल टुडू, दिनेश मुर्मू, महालाल टुडू, हेमलाल टुडू, केशव टुडू, सतीश टुडू, छोटेलाल, दिलीप मुंडा, हेमलाल सोरेन, श्रीपद टुडू, रितुलाल सोरेन सहित भारी संख्या में लोग मौजूद थे। स्व. राजाराम सोरेन लम्बे समय से गोला के डाकबांग्ला में रहकर गर्ट्स नामक गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) चलाते थे। साथ ही, लोगों के सुख-दुख में भी भागीदारी निभाते थे। कुछ वर्ष पहले जब वह बीमार पड़ गये, तो उनकी पुत्री उन्हें अपने साथ रांची में ले जाकर रखने लगी। वह काफ़ी मिलनसार और मृदुभाषि व्यक्ति थे।

बच्चे-बच्चियों का ध्यान रखो, गलत साथ, गलत आदतों से बचाओ- सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने किया आगाह

बच्चों इस बात की भी शिक्षा लो कि हमको कुछ करके दिखाना है

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (कानपुर/उ.प्र.): महान समाज सुधारक, पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि बुद्धिजीवी वो जो बुद्धि का इस्तेमाल करके जीते, जीवन यापन करते हैं। जिनको पढ़े-लिखे लोग कहते हैं। बुद्धि से ही कोई काम होता है। श्रमजीवी वो जो मेहनत करते हैं। परजीवी वो जो दूसरे पर निर्भर रहते हैं, जैसे अमरबेल। अमरबेल की कोई जड़ नहीं होती। पेड़ के ऊपर बेल फेंक दो तो उसी से वह जिंदा रहता है। आजकल परजीवी लड़के बहुत हो रहे हैं।

बच्चों बुरी आदतों से हो जाओ अलग

करले निज काज जवानी में, इस दो दिन की जिंदगानी में। एक रोज जवानी जाएगी, लौट फिर न आएगी। यह फिर वापस आने वाली नहीं है। इसी में चाहे पढ़ाई-लिखाई कर लो, चाहे रोजी-रोजगार, नौकरी, चाहे खेती का काम करके तरक्की कर लो, चाहे देश सेवा, आत्मा की सेवा, मानव सेवा, नाम कमा लो, कुल खानदान का नाम ऊपर कर दो। लेकिन लड़के परजीवी बहुत हो रहे हैं, ठंडी रोटी खा रहे हैं। मेहनत करके गरम रोटी नहीं खा रहे हैं। बाप की कमाई खा रहे हैं। इधर-उधर से मिल जाए। ठगों के साथ पड़ जाते हैं, नशे में धुत हो रहे हैं। कौन सा नशा? ऐसा तेज नशा जिसमें आदमी होश में न रह जाए जैसे शराब अफीम कोकीन ड्रग्स गांजा भांग आदि तेज नशा होता है। तमाम नशे की गोलियां चल गई। नशे की चीजों के पाउडर बना दिए गए, कागज में लपेटा और दो फूक मारा, आंखें लाल। संभलों बच्चों, गलत काम में मत फंसो। गलत साथ में मत पड़ो, बुरी आदत को छोड़ने का संकल्प बनाओ। बुरी आदतों से अलग हो जाओ।

आप लोग अपने-अपने बच्चों का ध्यान रखो

बच्चे बिगड़ रहे हैं। सतसंगियों के बच्चे भी गलत साथ मिलने की वजह से बिगड़ रहे हैं। कारण? आप उनका ध्यान नहीं रखते हो। बच्चे और बच्चिया घर से निकलते हैं, कहां जाते हैं, आपको कोई खबर नहीं। गलत बच्चो, गलत बच्चियों के साथ पड़ गए, आदत उनकी खराब हो जाती है। जब बात नहीं मानते हैं, जबरदस्ती करते हैं, पैसा खींचते हैं और रोते-चिल्लाते हैं, जान दे देने की कोशिश करते हैं तब पता चलता है लड़का, लड़की हाथ से निकल गई, मनमाना कर रही है तब होश में आते हो। अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत। जब उनकी आदत खराब हो गई या संकल्प बना लिया कि इस लड़के से ही या इसी लड़की से शादी करना है तो बात मानते हैं? रूप-रंग, पढ़ाई-लिखाई, धन-दौलत पर आ जाते हैं। नशे की आदत जो बन गई उसमें मजबूर हो जाते हैं। शादी के बाद का परिणाम क्या होता है? दो महीने भी नहीं बीतता है और तलाक, दहेज के मुकदमे में घर-घर को जेल जाना पड़ता है। ध्यान रखने की जरूरत है। बच्चो! परजीवी नहीं, स्वावलंबी बनो।

बच्चो! इस बात की भी शिक्षा लो कि हमको कुछ करके दिखाना है

जब आपका खान-पान, चरित्र अच्छा रहेगा तब आप आगे बढ़ सकते हो। चरित्र पर बहुत कुछ निर्भर करता है। कहा गया है- Money is lost nothing is lost, health is lost something is lost, but character is lost, everything is lost. इसलिए ध्यान रखो, समझ गए होंगे बुद्धिजीवी लोग हो।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान को ईडी ने फिर भेजा समन, 29 को बुलाया

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (दिल्ली): प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान को उनकी अध्यक्षता के दौरान दिल्ली वक्फ बोर्ड में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले में अगले सप्ताह फिर से गवाही देने के लिए कहा है. सूत्रों ने कहा कि विधायक को 29 अप्रैल को पेश होने और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत अपने बयान की रिकॉर्डिंग जारी रखने के लिए कहा गया है. ओखला विधानसभा सीट से 50 वर्षीय आम आदमी पार्टी (आप) विधायक से केंद्रीय एजेंसी ने पिछले सप्ताह लगभग 13 घंटे तक पूछताछ की थी.

संबंधित घटनाक्रम में दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को इस मनी लॉन्ड्रिंग मामले में खान को मामले में पहले जारी किए गए समन से कथित तौर पर बचने के लिए जमानत दे दी. अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) दिव्या मल्होत्रा ने अदालत में पेश होने के बाद खान को 15,000 रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत पर जमानत दे दी.

आप नेता और दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने पहले कहा था कि खान के खिलाफ ईडी का मामला फर्जी था और पार्टी अपने विधायक के साथ खड़ी है.

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार करने के बाद 18 अप्रैल को खान की पहली गवाही हुई. शीर्ष अदालत ने उन्हें जांच में शामिल होने का निर्देश दिया था.

उस दिन ईडी कार्यालय में प्रवेश करने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए खान ने दावा किया था कि जब वह वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष थे तो उन्होंने नियमों का पालन किया था और कानूनी राय लेने के बाद और (बोर्ड के लिए) आए 2013 के नए अधिनियम के अनुसार सब कुछ किया था.

दूसरी ओर,एजेंसी ने एक बयान में आरोप लगाया था कि वक्फ बोर्ड में कर्मचारियों की अवैध भर्ती हुई और खान की अध्यक्षता (2018-2022) के दौरान वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को गलत तरीके से वितरित किया. इसके मद्देनजर ही ईडी ने उनके ठिकानों पर छापेमारी की थी. बाद में उन्हें ईडी कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया था. पिछली बार उनसे घंटों पूछताछ की थी.

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL–713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

प्रश्नों के जवाब की जगह लिखा जय श्री राम, शिक्षक ने पास कर दिया

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (उत्तर प्रदेश): जौनपुर में पूर्वांचल विश्वविद्यालय में फॉर्मेसी की परीक्षा दे रहे चार छात्रों ने उत्तर पुस्तिका में प्रश्नों के जवाब की जगह जय श्री राम और क्रिकेट खिलाड़ियों का नाम लिख दिया. इतना ही नहीं बात वहां बढ़ गई जब उत्तर पुस्तिका की जांच कर रहे शिक्षकों ने उन्हें ऐसा करने के बावजूद पास कर दिया. वहीं, इसके बाद ऐसा कारनामा करने वाले दोनों आरोपी शिक्षक डॉ विनय वर्मा और डॉ आशुतोष गुप्ता पर कार्रवाई की जा रही है.

सामयिक परिवेश बिहार इकाई पर ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का भव्य आयोजन

सविता राज

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (मुजफ्फरपुर/ बिहार): काव्य गोष्ठी के इस कार्यक्रम में साहित्यकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। सभी के रचनाओं ने पटल को एक नई ऊंचाई प्रदान की। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सोनी के सुमधुर स्वर में सरस्वती वंदना से की गई।

सामयिक परिवेश की संस्थापिका ममता मेहरोत्रा ने संस्थाध्यक्ष उद्बोधन बड़े की उत्कृष्ट अंदाज में किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन सविता राज ने बहुत ही सुन्दर अंदाज में किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जय प्रकाश अग्रवाल ने काठमांडू से की। मुख्य अतिथि डॉ सुमन मेहरोत्रा थी। विशिष्ट अतिथि अनंतराम चौबे अनंत मध्य प्रदेश भीम सिंह नेगी हिमाचल प्रदेश व डॉ मीना कुमारी परिहार मान्या जी पटना से। काव्यपाठ करने वालों में डॉ सुमन मेहरोत्रा, डॉ मीना कुमारी परिहार, डॉ प्रतिभा रानी, जय प्रकाश अग्रवाल, काठमांडू, अनंत राम चौबे अनंत, मध्य प्रदेश, भीम सिंह नेगी, हिमाचल प्रदेश डॉ राम शरण सेठ, छटहां मिर्जापुर उत्तर प्रदेश, किशन लाल कहार, ज्योति सिन्हा, रामबाबू शर्मा राजस्थानी, डॉ सोनी, अविनाश बन्धु, रीतु प्रज्ञादरभंगा, बिहार, माधवी लता, राजप्रिया रानी, मुस्कान केशरी मुख्य रहे। कार्यक्रम के अंत में संचालन कर रही सविता राज ने भी अपनी गजल प्रस्तुत की। कार्यक्रम का विराम माधवी लता जी के आभार ज्ञापन से हुआ।

ऐसा भी होता है

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल 2024: जी हां, गर्दिश का सितारा एक दिन चमकता जरूर है। कोशिश करने वालोंकी हार नहीं होती...यह बातें फिल्म अभिनेत्री मुमताज की जीवनी को समझने पर साफ समझ में आती है। अभिनेत्री मुमताज ने सन् १९५८ मे फिल्म 'सोने की चिड़िया' से बाल कलाकार के रुप में फिल्मी दुनिया में कदम रखा। मगर सन् १९७१ मे जाकर फिल्म 'खिलौना' से उनकी एक अभिनेत्री की पहचान बनी। बीच के लंबे १३ वर्षों मे मुमताज ने ढेरों सहनायिका और बी ग्रेड की भूमिकाएं कीं। दर्जनभर फिल्मों में दारासिंह के साथ बी ग्रेड फिल्मों की हिरोइन बनी। साथ ही 'सावन की घटा', 'मेरे सनम', 'आदमी और इंसान', 'मेरे हमदम मेरे दोस्त' 'पत्थर के सनम', 'ब्रह्मचारी' जैसी फिल्मों में सहनायिका की भूमिकाएं बड़ी सफलता पूर्वक निभाई। फिर भी प्रथम पंक्ति की हीरोईन का दर्जा नहीं पा सकी। उन्हें बहुत समय तक दारासिंह की हिरोईन कहा जाता रहा। इसलिए बड़े हीरो उनके साथ काम करने से कतराते थे।

ऐसा ही किस्सा पेश आया जब मनमोहन देसाई निर्देशित फिल्म 'सच्चा झूठा' फिल्म के लिए मुमताज को अनुबन्धित किया जा चुका था हीरो की भूमिका के लिए निर्माता-निर्देशक शशि कपूर को लेना चाह रहे थे मगर मुमताज का नाम सुनकर शशि कपूर ने फिल्म करने से मना कर दिया वे किसी और हिरोईन को लेना चाह रहे थे। इस दौर में हर बड़ा अभिनेता मुमताज के साथ काम करने से कतराता था। खैर, मगर निर्माता- निर्देशक मुमताज को ही लेकर फिल्म बनाना चाहते थे इसलिए फिल्म में राजेश खन्ना बतौर हीरो आए। इसमें राजेश खन्ना का डबल रोल था। इस फिल्म का नाम पहले 'दिल सच्चा और चेहरा झूठा' रखा गया था बाद में बदलकर 'सच्चा झूठा' रखा गया। फिल्म सुपर हिट रही। फिर तो उन्होंने फिल्म जगत के सभी शीर्ष अभिनेताओं के साथ काम किया चाहे वो दिलीप कुमार हो, धर्मेंद्र हो या फिर फिरोज खान, संजय खान हो या संजीव कुमार, जीतेन्द्र हो या शशिकपूर। राजेश खन्ना के साथ तो मुमताज ने१० सफल फिल्मों में काम किया। मुमताज आखिर डटी रहीं, मेहनत से कतराई नहीं और अपना मकाम हासिल करके ही छोड़ा।

अब आया वह समय जब शशि कपूर फिल्म 'चोर मचाए शोर' के हीरो अनुबंधित हुए तो उन्होंने अपने लिए हिरोईन की भूमिका के लिए जोर देकर मुमताज को लेने के लिए आग्रह किया। इस तरह शशि कपूर ने मुमताज की काबिलियत को स्वीकार किया। तो

ये था मुमताज के वर्षों डटे रहने और जूझते रहने का सकारात्मक परिणाम और उनके सफलता प्राप्त करने की संक्षिप्त दस्तान। आप सब स्वस्थ रहें, व्यस्त रहें और मस्त रहें धन्यवाद।

श्याम कुमार राई 'सलुवावावाला'

देहाती क्षेत्र में भी लगना शुरू हुआ स्मार्ट मीटर के जगह पर प्रीपेड मीटर

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) कहलगाँव-: प्रखण्ड के कैरिया पंचायत अंतर्गत सौर गाँव मे भी अब उपभोक्ताओ के घर मे स्मार्ट मीटर के जगह पर प्रीपेड मीटर लगाने का काम जोरो सोरो से किया जा रहा है। विभागीय कर्मी ने बताया कि प्रीपेड मिटर लगाने का प्रमुख उद्देश्य बिजली की चोरी को रोकना और लाइन लॉस कम करना है। नए प्रीपेड मीटर लगने से उपभोक्ताओं में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। उपभोक्ता असंकित है कि कहीं उनका बिजली बिल ज्यादा तो नहीं आएगा। जबकि विभाग ने कहा कि इससे बिल ज्यादा नहीं आएगा।

भौतिकता की सार्थकता

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल 2024: हम संसार में रहते है। हमको यहाँ रहने के लिये मकान और खाने के लिये खाना आदि सब मूलभूत आवश्यकता होती है। हर आदमी संसार से असार (साधु जीवन) में उद्धत हो यह भी सम्भव नहीं है। संसार में रहते हुए जब हम भौतिक उपलब्धियों में सफलता प्राप्त करते जाते हैं तो हर दिन आगे से आगे ऊँचाइयों के माप छूते जाते हैं उस समय स्वाभाविक रूप से हम गर्व से फूले नहीं समाते हैं। ऐसे में विरले ही होते है जो शालीन और संयत रह पाते हैं। वैसे देखे तो भौतिक सम्पन्नता पाना व फलस्वरूप यश प्राप्त करना कोई बुरी बात नहीं है पर उसके मद में चूर हो जाना बुरा है। वर्तमान समय में भौतिकतावाद की इस दुनियाँ में हम इतने मशगूल हो गये कि अर्थ की इस अंधी दौड़ में धन अर्जित तो खूब कर रहे हैं पर अपने मूलभूत संस्कार और आध्यात्मिक गतिविधियों से दूर-दूर जा रहे हैं। आज जिसे देखो वो एक दूसरे से आगे निकलने के चक्कर में आर्थिक तरक्की तो खूब कर रहा है पर धर्ममाचरण में उतनी ही तेजी से पिछड़ रहा है। जब हम अतीत में देखते हैं तो अनुभव होता है कि हमारे पूर्वज बहुत संतोषी होते थे। वो धन उपार्जन के साथ अपना धर्म आचरण कभी नहीं भूलते थे।जब उनके अंदर आध्यात्मिक और धार्मिक आचरण कूट-कूट कर भरे हुये होते थे तब वो ही संस्कार वो अपनी भावी पीढ़ी को देते थे।आर्थिक प्रतिस्पर्धा से कोसों दूर रहते थे। क़हते हैं कि अगर होड़-होड़ लगाओगे तो संसार समुद्र में जन्म-मरण से निरन्तर दौड़ ही लगाओगे और आध्यात्मिक और धार्मिक गुणों से विमुख भी हो जाओगे। इसलिये दौड़ जरुर लगाओ पर साथ में आध्यात्मिकता और धार्मिकता भी जीवन में धारण करनी चाहिये। इसी तरह वास्तव में सम्पन्नता की सार्थकता तभी हैं जब हम सफलता में भी अपने अहं को छोड़ हम वहाँ पहुँच जायें जहाँ विवेक, विनय, शालीनता व निर्लिप्तता आदि का बोध हों।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

नव मतदाताओं का किया सम्मान, मतदाताओं के कर कमलों से हुआ पौधारोपण

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (भवानीमंडी): लोकसभा चुनाव 2024 के द्वितीय चरण की मतदान तिथि 26 अप्रेल 2024 शुक्रवार को भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र सूलिया भाग संख्या 28 (डग 197) में मतदान समाप्ति पर 72.92 प्रतिशत मतदान हुआ। बूथ लेवल ऑफिसर राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि इस बार मतदाताओं ने उत्साह के साथ मतदान किया। बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं को व्हील चेयर पर बैठाकर लाया गया। नव मतदाताओं का जिन्होंने पहली बार मतदान किया उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर युवाओं के चेहरे खिल गए। मतदान केंद्र पर दूल्हे ने सभी वैवाहिक रस्में छोड़ सबसे पहले मतदान किया। मतदान केंद्र पर स्वागत द्वार सुन्दर शामियाना लगाकर छाया की व्यवस्था की वहीं पेयजल विद्युत की व्यवस्था अच्छी की गई। पोलिंग स्टेशन को सजाया गया। बूथ लेवल ऑफिसर ने बताया कि मतदान के दिन आँगनबाड़ी कार्यकताओं व स्टाफ ने महिला मतदाताओं की पहचान की।मेडिकल स्टाफ मौजूद रहा। मतदाताओं व पोलिंग अधिकारियों ने बारिश होने से मौसम ठंडा होने पर इंद्रदेव की मेहरबानी बताते हुए खुशी जाहिर की।पोलिंग स्टेशन पर पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था बखूबी संभाली। सेक्टर अधिकारी महेंद्र कुमार जीनगर ने पोलिंग स्टेशन पर सुव्यवस्थित मतदान होने पर प्रसन्नता व्यक्त कर सराहना की। रात्रि 9 बजे मतदान दल की रवानगी तक बूथ लेवल ऑफिसर मतदान केंद्र पर मौजूद रहे।

भारत के बाद अमेरिका ने भी चीन को जोरदार झटका दिया!

अमेरिका में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगना लगभग तय है- अमेरिकी सीनेट ने ऐतिहासिक विधेयक को मंजूरी दी

भारत अमेरिका सहित अनेक देश राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए, यूजर डाटा तक चीन की पहुंच को रोकने,टिकटॉक पर बैन उचित कदम-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर दुनियां के हर देश में अभूतपूर्व तेजी से बढ़ते हुए डिजिटाइजेशन व बढ़ती प्रौद्योगिकी से दुनियां तो मुट्ठी में आ रही है, परंतु साथ ही अनेक देशों में उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता को भी बढ़ाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। मानवीय मस्तिष्क अब तकनीकी के सहारे किसी एप्स के सहारे घर बैठे बैठे ऐसी तकनीकी पावर का सहारा लेकर दुनियां के हर उस व्यक्ति की पर्सनल डाटा जानकारी प्राप्त कर लेता है जो उसकी एप्स उपयोग करने के दायरे में आता है, स्वाभाविक है कि कई ऐसी जानकारीयां होती है जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अति महत्वपूर्ण होती है परंतु दुश्मन या खारखाए बैठा देश सुरक्षा क्षेत्र से जुड़ी ऐतिहासिक जानकारीयां उस एप के सहारे आसानी से हासिल कर सकता है, इसलिए ही भारत ने 2020 में 59 एप्स पर बैन लगाया था जिसमें टिकटॉक भी शामिल था उसे समय अमेरिका ने भी भारत की तारीफ की थी, जबकि अबवही बात घूम फिरकर अमेरिका पर आ गई है, जो 2020 से ही इस विषय पर कार्य कर रहा था और अमेरिकी सीनेट ने विधेयक पारित कर दियाथा जो 6 माह के अंदर टिकटॉक को उसके चीनी मालिक द्वारा बेचना पड़ेगा लेकिन अब दिनांक 23 अप्रैल 2024 को अमेरिकी सीनेट ने एक ऐतिहासिक विधेयक पारित किया है जिसमें 6 माह से बढ़कर 9 माह कर दिया गया है। अब शीघ्र रही टिकटॉक पर बैन लगने की संभावना है। यानें कंपनी को टिकटॉकका स्वामित्व हस्तांतरित करना ही होगा। उधर चीन ने इस विधेयक को कोर्ट में चुनौती देने की बात कही है जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति का बयान आया है कि विधेयक उसके हाथ में आते ही वह हस्ताक्षर कर देंगे और वह कानून बन जाएगा। चूंकि भारत के बाद अब अमेरिका ने भी चीन को जोरदार झटका दिया है और टिकटॉक पर बैन लगना लगभग तय हो गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे भारत अमेरिका सहित अनेक देश राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए यूजर डाटा तक चीन की पहुंच को रोकने टिकटॉक पर बैन लगाना उचित कदम है।

साथियों बात अगर हम अमेरिकी सीनेट द्वारा 23 अप्रैल 2024 को एक विधेयक पारित करने की करें तो, अमेरिकी संसद के सीनेट में मंगलवार को एक विधेयक पारित किया गया जो प्रतिबंध लगाने की धमकी के साथ टिकटॉक की बिक्री के लिए इसका स्वामित्व रखने वाली चीनी कंपनी को मजबूर कर देगा। इस विधेयक को हस्ताक्षर के लिए अब राष्ट्रपति जो बाइडन के पास भेजा गया है। टिकटॉक से जुड़े विधेयक को 95 अरब अमेरिकी डॉलर के उस बड़े पैकेज के हिस्से के रूप में शामिल किया गया था जो यूक्रेन और इजराइल को विदेशी सहायता प्रदान करता है और इसे 79-18 के अंतर से पारित किया गया। सांसदों द्वारा पिछले सप्ताह टिकटॉक विधेयक को उच्च प्राथमिकता वाले पैकेज में संलग्न करने का निर्णय लिया गया जिससे कांग्रेस में इसे तेजी से पारित कराने में मदद मिली। इस विधेयक को सीनेट से बातचीत के बाद लाया गया जहां इसके पूर्व संस्करण को बाधित कर दिया गया था। पुराने संस्करण में टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस को इस मंच में अपनी हिस्सेदारी को बेचने के लिए छह महीने का समय दिया गया था। लेकिन इसको लेकर कुछ प्रमुख सांसदों ने संदेह जताया था कि एक जटिल सौदे के लिहाज से छह महीने का समय बहुत कम है। इस सौदे का मूल्य अरबों डॉलर हो सकता है।इस विधेयक के पारित होने के तुरंत बाद एक बयान जारी करके बाइडन ने कहा कि वह इस पर बुधवार को हस्ताक्षर करेंगे। अमेरिकी सांसदों के इस विवादास्पद कदम को जहां कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, वहीं इससे सामग्री का सृजन करने (कंटेंट क्रिएटर) वाले उन लोगों के परेशानियां पैदा होने की आशंका है जो आमदनी के लिए इस शॉर्ट-फॉर्म वीडियो ऐप पर निर्भर हैं।डील के लिए 9 महीने का टाइमलाइन दिया जाएगा। डील आगे बढ़ती है तो 90 दिन का एक्स्ट्रा समय दिया जाएगा। वहीं, अगर बाइट डांस इस टाइमफ्रेम में टिकटॉक को यूएस खरीदार को नहीं बेच पाती है तो टिकटॉक का इस्तेमाल अमेरिका में पूरी तरह से बंद हो जाएगा।

साथियों बात अगर हम अमेरिका द्वारा टिकटॉक पर बैन के कारणों की करें तो, अमेरिकी सुरक्षा एजेंसी लंबे समय से टिक-टॉक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानती रही है। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसी का दावा है कि बाइटडांस टिकटॉक के अमेरिकी यूजर्स का डाटा चीन के साथ साझा करती है, जिससे उसके राष्ट्रीय सुरक्षा को बड़ा खतरा है, लेकिन बाइटडांस हमेशा से इन आरोपों गलत बताती रही है।बीते दिन पारित किए गए विधेयक में भी टिक-टॉक को चीन के

साथ संबंधों के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया गया है। दरअसल, इस विधायी कार्रवाई के पीछे की वजह टिकटॉक के चीनी स्वामित्व और बीजिंग में सत्तावादी सरकार की अमेरिकी यूजर डेटा तक पहुंच है।अमेरिका में राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए यूजर डेटा तक चीन की पहुंच को रोकने के लिए सरकार यह कदम उठा रही है। वहीं, दूसरी ओर टिकटॉक का कहना है कि कंपनी ने कभी भी चीनी अधिकारियों के साथ अमेरिका के यूजर्स का डेटा शेयर नहीं किया है। अब यह विधेयक अमेरिकी राष्ट्रपति को सौंपा गया है, जिन्होंने कहा है कि जैसे ही यह उनके पास पहुंचेगा, वे इस पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बना देंगे अगर अमेरिकाबाइटडांस को टिक-टॉक बेचने के लिए मजबूर करने में सफल हो जाता है, तो भी किसी भी सौदे के लिए चीनी अधिकारियों की मंजूरी की आवश्यकता होगी विश्लेषकों का कहना है कि इस प्रक्रिया में सालों लग सकते हैं,क्योंकि चीनी अधिकारी जल्दी तैयार नहीं होंगे।

साथियों बात अगर हम मुद्दे पर चीन की प्रतिक्रिया और चीन के विरोध में उतरने की करें तो, टिकटॉक से मंगलवार रात को प्रतिक्रिया मांगी गई, लेकिन उसने तुरंत कोई जवाब नहीं दिया।विधेयक का पारित होना चीनी खतरों और टिकटॉक के स्वामित्व को लेकर वाशिंगटन में लंबे समय से चली आ रही आशंकाओं का नतीजा है। अमेरिका में टिकटॉक का 17.0 करोड़ लोगों द्वारा इस्तेमाल किया जाता है।अमेरिकी सांसद और प्रशासन के अधिकारियों द्वारा लंबे समय से चिंता व्यक्त की जा रही है कि चीनी अधिकारी बाइटडांस को अमेरिकी उपयोगकर्ताओं का डेटा सौंपने के लिए मजबूर कर सकते हैं, या टिकटॉक पर कुछ सामग्री को दबाकर या बढ़ावा देकर अमेरिकियों को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि, अमेरिका का राष्ट्रपति बनने की दौड़ में फिर से शामिल डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह संभावित प्रतिबंध का विरोध करते हैं। चीन पहले ही कह चुका है कि वह टिकटॉक की जबरन बिक्री का विरोध करेगा और वह इस विधेयक को रोकने के लिए मुकदमा दायर करने की तैयारीमें जुटाहै।

साथियों बात अगर हम 2020 में भारत द्वारा टिकटॉकपर बैन लगाने की करें तो, भारत में, 1.4 अरब की आबादी वाले देश में, टिकटॉक को 200 मिलियन उपयोगकर्ताओं का दर्शक वर्ग बनाने में केवल कुछ साल लगे। चीन स्थित बाइटडांस के स्वामित्व वाले टिकटॉक के लिए भारत सबसे बड़ा बाजार था। फिर, 29 जून, 2020 को भारत और चीन के बीच सीमा विवाद के हिंसा में बदल जाने के बाद, भारत सरकार ने 58 अन्य चीनी ऐप्स के साथ-साथ टिकटॉक पर भी प्रतिबंध लगाने की घोषणा कीगूगल और एप्पल स्टोर से ऐप्स गायब हो गए और उनकी वेबसाइटें ब्लॉक कर दी गईं। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ऐप्स को भारत की संप्रभुता और अखंडता, भारत की रक्षा, राज्य की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए हानिकारक बताया था। जनवरी 2021 में प्रतिबंध को स्थायी कर दिया गया। टिकटॉक भारत में जल्दी आया और 2017 में देश की दर्जनों भाषाओं में व्यापक आधार स्थापित किया। इसकी सामग्रीलघु वीडियो-घरेलू और हाइपरलोकल थी। कुछ ही वर्षों में, टिकटॉक कई छोटे उद्यमशीलता उद्यमों के साथ-साथ मनोरंजन के लिए एक मंच बन गया, खासकर टियर-2 और टियर-3 शहरों में। भारत द्वारा टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय अचानक लिया गया था, जबकि अमेरिकी प्रयास, जो 2020 में शुरू हुए थे, लंबे समय तक चले। लेकिन प्रेरणा काफी हद तक समान है। जैसा कि एनवाईटी की रिपोर्ट में कहा गया है, जहां संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन आर्थिक प्रभुत्व को लेकर एक नए तरह के शीत युद्ध में लगे हुए हैं, वहीं भारत और चीन के सैनिक 1962 से अपनी सीमा पर खड़े हैं।अमेरिका ने की भारत की तारीफ जब भारत ने टिकटॉक और कई चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध लगाया, तो अमेरिका इस फैसले की सराहना करने वाले पहले देशों में से एक था। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री ने प्रतिबंध का स्वागत करते हुए कहा था कि इससे भारत की संप्रभुता को बढ़ावा मिलेगा। चीन ने ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और अमेरिका की ओर से टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद दूसरे देशों की सरकारों से उसकी कंपनियों से निष्पक्ष बर्ताव करने की अपील की थी। अमेरिका, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड ने इस आशंका के कारण टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा दिया है कि चीन के स्वामित्व वाली यह शॉर्ट वीडियो सर्विस सुरक्षा के लिए खतरा हो सकती है। सरकारों को चिंता है कि टिकटॉक का मालिकाना हक रखने वाली कंपनी बाइट डांस उपयोग कर्ताओं के बारे में ब्राउजिंग हिस्ट्री या अन्य आंकड़ें चीनी सरकार को दे सकती है या दुष्प्रचार और भ्रामक सूचना को बढ़ावा दे सकती है।भारत की तरह, अमेरिकी सांसदों को भी डर है कि ऐप बीजिंग के लिए प्रचार, गलत सूचना फैलाने या अमेरिकियों को प्रभावित करने के लिए एक उपकरण के रूप में काम कर सकता है। कई अमेरिकी अधिकारियों और सांसदों ने लंबे समय से चिंता व्यक्त की है कि चीनी सरकार टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस को अमेरिकी उपयोगकर्ताओं से एकत्र किए गए डेटा को सौंपने के लिए मजबूर कर सकती है। दरअसल, भारत के टिकटॉक पर प्रतिबंध का जिक्र अमेरिकी सदन में तब हुआ जब टिकटॉक ऐप पर प्रतिबंध लगाने से जुड़ा बिल पेश किया गया।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत के बाद अमेरिका ने भी चीन को जोरदार झटका दिया! अमेरिका में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगना लगभग तय है- अमेरिकी सीनेट ने ऐतिहासिक विधेयक को मंजूरी दी।भारत अमेरिका सहित अनेक देश राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए,यूजर डाटा तक चीनकी पहुंच को रोकने,टिकटॉक पर बैन उचित कदम है।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

बर्ड वाचिंग स्थापित हो

कोलफील्ड मिरर 28 अप्रैल 2024: बर्ड वाचिंग व वन्यजीव तथा पक्षियों के संरक्षण करने वाली संस्थाओं द्वारा चीन और नेपाल सीमा से लगे उत्तराखंड के मुनस्यारी में जैव विविधता व पशु-पक्षियों के अदभुत संसार की वजह से बर्ड वाचिंग वहां के लोगो की आजीविका का मुख्य साधन बन चुका है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में मोर एवं मैना को राष्ट्रीय पक्षी का दर्जा प्राप्त है। इसके अलावा रंग बिरंगे कई प्रजाति के दुर्लभ पक्षी विद्यमान है। अधिकतर पक्षी तालाब, नदी, के किनारे दिखाई देते है। कई प्रवासी पक्षी ऋतुकाल अनुसार आते है। प्रवासी पक्षियों का हर क्षेत्र में स्थान नियत रहता है। प्रजनन काल के पश्च्यात अपने चूजों को बढ़ा होने के बाद अपने देश लौट जाते है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में भी बड़ी सिंचाई योजनाओं, पर जहां पक्षी आते है। वहां पर पक्षी विहार चिन्हित कर लोगो की आजीविका, तथा राजस्व हित मे इनके दीदार करने हेतु विशेष ट्रेक बनाकर इसे भी अन्य उपलब्धियों में शामिल किया जा सकता है। अवैध शिकार पर भी रोक लग सकेगी साथ ही दुर्लभ प्रजाति का संरक्षण भी हो सकेगा।

संजय वर्मा "दृष्टि"

रास्ते और समय

और फिर एक बार हम आ गये
समय के इस पल में, तुम और मैं
चिंता या दर्द या चाहत या पलायन
या नियंत्रित अपनी जडहीनता.....
और जैसे हम बातें करतें हैं गाते हैं
या चीखते हैं
कहे हुए शब्द गढे हुए विचार
मस्तिष्क में गुंथी हुई रस्सी के बल सी आवाजें
जैसे सारी भारी चीजें गिरी है हमसे दूर
हमारी भूलों के प्रवाह में
और फिर हम अलग होते हैं
आने वाले किसी पल में, तुम और मैं
पहुंचने किसी गंतव्य पर, किसी जगह
बातें करने या गाने या चीखने
और फिर अलग होने के लिये

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)
कोलफील्ड मिरर

आबाद मुझको तुम देखकर आज

आबाद मुझको तुम आज देखकर।
लेने खबर मेरी तुम आ गए हो।।
थकते नहीं अब तारीफ करते।
मुझको बुलाने तुम आ गए हो।।
आबाद मुझको तुम----------।।

करते नहीं थे कल बात मुझसे।
लगती थी बुरी मेरी गरज कल।।
मेरा चमन जो महका है आज।
खुशी बाँटने तुम आ गए हो।।
आबाद मुझको तुम----------।।

समझा था कल क्यों कमजोर मुझको।
मिलाया नहीं क्यों कल हाथ मुझसे।।
मौजूद हैं आज मेरे सँग सितारें।
मुझको मनाने तुम आ गए हो।।
आबाद मुझको तुम----------।।

करते थे परदा कल क्यों मुझसे।
बुलाया नहीं क्यों महफ़िल में मुझको।।
बेताब हो आज सुनने को मुझको।
हमको लगाने गले तुम आ गए हो।।
आबाद मुझको तुम----------।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

अच्छी शिक्षा करे कल्याण

संस्कारों के बिना है जो समाज
बड़े छोटों की जो करता नहीं लिहाज़
भूलता जा रहा अपने सब रीति रिवाज़
उसी को कहते हैं शिक्षा विहीन समाज

जो पढ़े लिखे होकर भी करते हैं
अहंकार
बात बात पर लोगों का करते हैं
तिरस्कार
रिश्तों की जिनको नहीं कोई परवाह
हर वक्त रहते हैं घमंड के घोड़े पर
सवार

एक दूसरे को लगे रहते हैं गिराने में
बढाते नहीं हाथ किसी को उठाने में
उम्र लग जाती है सारी रिश्ते बनाने में
उन्हें तो शर्म आती है रिश्ते निभाने में

ऐसी शिक्षा पर क्यों करें हम गुमान
जो अच्छे बुरे में नहीं कराती पहचान
बड़ों और बुजुर्गों की नहीं सिखाती
इज़्ज़त मान
अच्छी शिक्षा वही जो करती सबका
कल्याण

रवींद्र कुमार शर्मा
बिलासपुर हि प्र
कोलफील्ड मिरर

दिल उसी ने मेरा तोड़ा

लु के मौसम में सर्द
हवा मांगता फ़िरा,
बेवफाओं से वफ़ा मैं
भी मांगता फ़िरा,
हमनशीं कहते रहे
वो भी मुझे अक्सर,
धोका आंखों से उनकी
मैं भी खाता ही फ़िरा,
एक बार तो दिल में उनके
मैं झांक ही लेता, अगर,
यक़ीन करता रहा और
खाक़ छानता फ़िरा,
बहुत ऐतबार था जिस पर
दिल उसी ने मेरा तोड़ा,
ज़मीनों के खुदाओं से
दुआ मांगता फ़िरा,
बा वफ़ा होकर भी मैं
ख़तावार होगया मुश्ताक़,
एक फरेबी से मुहब्बत का
सिला मांगता फ़िरा,

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
"सहज़" हरदा मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

मात पिता तो जन्नत है

माता पिता की करो बहुत *सेवा*
मिलेगा सभी को मिष्ठान *मेवा*।

माता पिता तो *जन्नत* है
उनके रहते हमारी *किस्मत* है।

माता पिता धरती पर *भगवान*,
उन्होंने ही बनाया हमें *इंसान*।

मात पिता बिन सूना *संसार*,
माता पिता जीवन *आधार*।

माता पिता समझें मेरे *जज़्बात*,
मेरी कामयाबी में उनका ही है
साथ।

सुरक्षित है मेरे सारे राज़ माता पिता के
पास,
वे ही पूरी करते सारी उम्मीद और
आस।

सृष्टि की शक्ति,बल, सामर्थ्य उनके
पास,
स्वप्न मेरा पूरा होगा मुझे है *विश्वास*।

शब्दों की कमी है आज करूं कैसे
धन्यवाद,
जीवन में संजोया सब आपका है
आशीर्वाद।

कृष्णा कहें माता पिता तो *जन्नत* है।
मां, पिता से पूरी होती हर *मन्नत* है।।

डा कृष्णा जोशी
इन्दौर मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

शिक्षा

शिक्षा अनमोल रत्न हैं,
पढ़ाई सबको करना हैं!
पढ़ लिखकर जीवन में,
आगे हमको बढ़ना हैं!
शिक्षा के अभाव में,
भविष्य खराब हो जाता हैं!

शिक्षा की जरूरत हमें,
हर क्षेत्र में पड़ता हैं!
जहां भी ज्ञान की बात हो,
वहां ध्यान से सुनना हैं!
शिक्षा जीवन में अनमोल हैं,
शिक्षा हमें ग्रहण करना है!
जन जन को शिक्षित कर,
शिक्षित समाज बनाना हैं!

कृष्णा चौहान
बिलाईगढ़ (छ.ग.)
कोलफील्ड मिरर

आदिशक्ति आराधन

हस्त मुक्त और कंठ मुक्त हम करें
प्रार्थना करें प्रार्थना
भव सागर पार उतरने को आदि
शक्ति की करें साधना

चैत्र मास की पुण्य प्रतिपदा ब्रह्मा रचा
सकल संसारा
नये वरस का नव संवत्सर विक्रम
संवत नाम अधारा
वसंत ऋतु का हुआ पदार्पण दमक
रहा देखो जग सारा
प्राण प्रतिष्ठा कर देवी की सब मिल
आओ करें अर्चना
हस्त मुक्त और कंठ मुक्त हम करें
प्रार्थना करें प्रार्थना
भवसागर पार उतरने को आदिशक्ति
की करें साधना

तरह तरह के पुष्प खिल रहे पूजा घर
की बाट जोहते
माली चुन चुन करके कलियां मंदिर में
जा अर्पित करते

देवी चरणों की शोभा बन अपना
ऊंचा भाग्य समझते
भाग्यवान हैं वो नर जग में देवभूमि
को करें अर्पणा
हस्त मुक्त और कंठ मुक्त हम करें
प्रार्थना करें प्रार्थना
भवसागर पार उतरने को आदिशक्ति
की करें साधना

चिड़ियां चहक रहीं बागन में कोयल
कूक रही है न्यारी
गज भी डोल रहे मस्ती में सिंह दहाड़
लगे अति भारी
आ पहुंचा अनंग मधु लेकर मोहित
करने को त्रिपुरारी
भर मलयाचल से सुगंध समीर के भी
झोंके चलना
हस्त मुक्त और कंठ मुक्त हम करें
प्रार्थना करें प्रार्थना
भवसागर पार उतरने को आदिशक्ति
की करें साधना

जन्म पूर्व जो खाईं कसमें, माया बस
सब भूल रहे हैं
कालचक्र के बसीभूत किंकर्तव्यविमूढ़
हो भटक रहे हैं
क्या खोया क्या पाया हमने गणना
करने अटक रहे हैं
समय शेष है केवल इतना राम नाम
कलयुग में जपना
हस्त मुक्त और कंठ मुक्त हम करें
प्रार्थना करें प्रार्थना
भवसागर पार उतरने को आदिशक्ति
की करें साधना

बच्चूलाल परमानंद दीक्षित
कोलफील्ड मिरर